वर्ष : 17 ❖ अंक : 105 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 19 नवम्बर 2022

एससी का जनसंख्या नियंत्रण याचिका पर सुनवाई से इनकार 3

गुजरात में बीजेपी ने दी है दंगा मुक्त और सुशासन युक्त सरकार : अनुराग ठाकुर 8

देश की उन्नति महिलाओं के विकास से मापा जा सकता है : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । सिक्किम विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह आज शुक्रवार को मनन केंद्र में आयोजित किया गया। राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज सिक्किम विश्वविद्यालय के छठा दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि तथा विश्वविद्यालय के मुख्य कुलाधिसचिव के रूप में उपस्थित रहे। राज्यपाल ने दीक्षान्त समारोह में विभिन्न उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यहाँ से आत्मसात किया ज्ञान और जीवन मूल्य सदा आपका मार्गदर्शन करे और जीवन को प्रकाशित करे।

इस साल सिक्किम विश्वविद्यालय ने सप्ताहव्यापी छठा दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया है। जानकारी अनुसार इसके अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में 12661 छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान पीजी, एमफिल तथा पीएचडी में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं रजत पदक से भी नवाजा गया।

समारोह में बड़ी संख्या में युवतियों को उपाधियाँ हासिल करते देख राज्यपाल गंगा प्रसाद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज भारत के सभी क्षेत्र जैसे सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, अनुसंधान, साहित्य, खेल कूद, सैन्य आदि में महिलाएं अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहीं हैं। जब एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार, पूरा समाज शिक्षित होता है। देश का विकास महिलाओं के विकास से मापा जा सकता है।

नशाखोरी एवं दुर्व्यसनों के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि नशा और दवाओं का दुरुपयोग समाज और देश को खोखला बना देती है। इस दिशा में उन्होंने सभी से आह्वान किया कि राज्य, देश और शिक्षा संस्थानों सभी मिलकर आगे आये और इस समस्या को मिलकर समाधान करें और नशा मुक्त सिक्किम, नशा मुक्त भारत का निर्माण कर देश की भावी पीढ़ी को सशक्त बनाये ताकि आगे जाकर वे देश पर बोझ नहीं देश को अपना नेतृत्व प्रदान कर सके।

राज्य में केसर खेती के सफल परिणाम को देखते हुए राज्यपाल ने सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग एवं कुलपति अविनाश खरे को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत ख़ुशी की बात है कि सिक्किम में जैविक केसर उत्पादन के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। यह अपने आप में एक बढ़ी सक्सेस स्टोरी है। इसकी गुणवता कश्मीर से भी अच्छी है। केसर खेती के उत्पादन से राजस्व बढ़ेगा साथ ही रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। इस क्षेत्र में सभी से आगे आकर केसर के और अधिक उत्पादन में सहयोग करने का आह्वान किया।

विद्यार्थियों से राज्यपाल ने आग्रह किया कि डिजिटल और व्यवसायिक युग में अपनी योग्यता का उपयोग (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सिक्किम एसएसीएस द्वारा रेड रिबन क्वीज प्रतियोगिता आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । सिक्किम के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के तहत सिक्किम स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (एसएसीएस) द्वारा आज स्थानीय सिक्किम प्रोफेशनल नर्सिंग कॉलेज में आयोजित तीसरे राज्यस्तरीय रेड रिबन क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का खिताब लिंग्मू गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने जीता जो अब दिसम्बर में नागालैंड में आयोजित होने वाली क्षेत्रीय रेड रिबन क्वीज प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। वहीं प्रतियोगिता में दूसरा और तीसरा स्थान क्रमश: सोनम चोडा लेप्चा मेमोरियल सेकेंडरी स्कूल और सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज बुर्तुक ने प्राप्त किया।

आज इस कार्यक्रम में सिक्किम एसएसीएस के प्रधान मुख्य सलाहकार सह परियोजना निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र सिन्चुरी मुख्य अतिथि और प्रोफेशनल नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल हिशे ल्हामू कालेयोन सम्मानीय अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं इस दौरान आईईसी की सहायक निदेशक लुवाना राई एवं सहायक युवा निदेशक फूल छिरिंग लेप्चा के अलावा सोसाइटी के फैकल्टी, छात्र तथा प्रतिभागीगण भी शामिल रहे।

लिंग्मू गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनी विजेता

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस प्रतियोगिता का उद्देश्य राज्य एड्स नियंत्रण समितियों द्वारा एचआईवी एड्स, किशोर स्वास्थ्य, मानसिक एवं अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों से सम्बंधित सूचनाओं के प्रसार हेतु युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना था। वर्ष 2019 में शुरू हुई यह प्रतियोगिता केवल रेड रिबन वाले क्लबों के लिए ही है। सिक्किम एसएसीएस द्वारा इस वर्ष 5 नवम्बर को प्रतियोगिता का एक ऑनलाइन प्रारंभिक दौर आयोजित किया गया जिसमें 57 (शेष पृष्ठ ०३ पर)

स्वस्थ समाज एवं मादक रोकथाम हेतु सारथी 1.0 की हुई शुरुआत

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 18 नवम्बर । स्वस्थ व स्वच्छ समाज के निर्माण की दिशा में स्कूलों एवं समाज में मादक पदार्थों की रोकथाम तथा मानसिक चिकित्सा सुनिश्चित करने हेतु रेनॉक के विधायक विष्णु खतिवाड़ा ने आज पाकिम कम्युनिटी हॉल में टाइटन कम्पनी के सहयोग से सारथी 1.0 पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार सह कार्यक्रम के मुख्य रिसोर्स पर्सन रोहित राज महाराज के अलावा सारथी अध्यक्ष सोनम चोफेल शेरपा और टाइटन कम्पनी की ओर से श्री बोहरा उपस्थित थे।

गौरतलब है कि सारथी को एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जिले में मार्च 2023 तक पांच महीनों के लिए लागू किया जायेगा जिसमें 12 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के अलावा 30 आशाओं को कवर किया जायेगा।

आज इस अवसर पर सारथी अध्यक्ष हरिराम रिजाल ने संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सारथी 1.0 की शुरुआत के बारे पर जानकारी दी। वहीं मुख्य रिसोर्स पर्सन सह सीएम सलाहकार रोहित राज महाराज (शेष पृष्ठ ०३ पर)

देश का पहला प्राइवेट रॉकेट विक्रम-एस लॉन्च, श्रीहरिकोटा से भरी उड़ान

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 18 नवम्बर (एजेन्सी)। देश के पहले निजी रॉकेट विक्रम-एस को आज आंध्रप्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च कर दिया गया। अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पस की ओर से इस विकसित रॉकेट को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने लॉन्च किया।

भारत ने चार साल पुराने एक स्टार्टअप द्वारा विकसित रॉकेट के जरिए तीन उपग्रहों को कक्षा में शुक्रवार को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया और इसी के साथ देश की अंतरिक्ष गतिविधियों में निजी क्षेत्र के प्रवेश का प्रारंभ हो गया।

अभी तक सरकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ही इस पर आधिपत्य था।

नई शुरुआत के प्रतीक के रूप में इस मिशन को प्रारंभ नाम दिया गया है।

स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा बनाए गए विक्रम-एस का पहला मिशन सफल रहा। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि देते हुए इस रॉकेट का नाम विक्रम-एस रखा गया है।

स्काईरूट एयरोस्पेस भारत की पहली निजी क्षेत्र की कंपनी बन गयी है जिसने 2020 में केंद्र सरकार द्वारा अंतरिक्ष उद्योग को निजी क्षेत्र के लिए खोले जाने के बाद भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में कदम रखा है।

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इनस्पेस) के अध्यक्ष पवन गोयनका ने इसरो के मिशन नियंत्रण केंद्र से मुस्कुराते हुए कहा, मुझे स्काईरूट एयरोस्पेस के मिशन प्रारंभ के सफलतापूर्वक पूरा होने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

उन्होंने बताया कि रॉकेट 89.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचा और उसने 121.2 किलोमीटर की दूरी तय की, जैसी कि स्काईरूट एयरोस्पेस ने योजना बनाई थी।

उन्होंने कहा कि रॉकेट ने योजना के अनुसार काम किया।

स्पेस-एक्स चेन्नई से करीब 115 किलोमीटर दूर यहां इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे रवाना हुआ।

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने इस महीने की शुरुआत में बेंगलुरु में प्रारंभ का अनावरण किया था। इस मिशन के तहत दो घरेलू और एक विदेशी ग्राहक के तीन पेलोड को अंतरिक्ष में ले जाया गया। छह मीटर लंबा रॉकेट दुनिया के पहले कुछ ऐसे रॉकेट में शामिल है जिसमें घुमाव की स्थिरता के लिए 3-डी प्रिंटेड ठोस प्रक्षेपक हैं।

गोयनका ने कहा, यह भारतीय निजी क्षेत्र के एयरोस्पेस में प्रवेश करने की एक नई शुरुआत है और हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

विक्रम-एस ने चेन्नई के स्टार्ट-अप स्पेस किड्ज, आंध्र प्रदेश के स्टार्ट-अप एन-स्पेस टेक और आर्मेनियाई स्टार्ट-अप बाजूमक्यू स्पेस रिसर्च लैब उपग्रहों को लेकर अंतरिक्ष में उड़ान भरी।

विक्रम-एस ने पेलोड को लगभग 500 किलोमीटर कम झुकाव वाली कक्षा में प्रक्षेपित किया।

आतंकवाद के खात्मे तक हम चैन से हीं बैठेंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खात्मे तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद का दीर्घकालिक प्रभाव गरीब और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर अधिक पड़ता है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से राजधानी स्थित होटल ताज पैलेस में आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण पर आतंक के लिए कोई धन नहीं (नो मनी फॉर टेरर) विषय पर आयोजित मंत्रिस्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति पैदा करने की कोशिश करने वाले संगठनों और व्यक्तियों को भी अलग-थलग किए जाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, यह सर्वविदित है कि आतंकवादी संगठनों को कई स्रोतों के माध्यम से पैसा मिलता है। एक स्रोत राज्य समर्थन है। कुछ देश अपनी विदेश नीति के तहत आतंकवाद का समर्थन करते हैं। वे उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।

उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह नहीं सोचना चाहिए कि युद्ध नहीं हो रहा है तो इसका मतलब शांति है। छद्म युद्ध भी खतरनाक और हिंसक होते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को इसकी कीमत चुकाने के लिए मजबूर किया जाना जरूरी है।

आतंकवाद को मानवता, स्वतंत्रता और सभ्यता पर हमला करार देते हुए मोदी ने कहा कि केवल एक समान, एकीकृत, शून्य सहिष्णुता दृष्टिकोण ही आतंकवाद को हरा सकता है।

मोदी ने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण का एक स्रोत संगठित अपराध है जिसे अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, गिरोहों के आतंकवादियों के साथ गहरे संबंध हैं। बंदूक, ड्रग्स और तस्करी से प्राप्त पैसे को आतंकवाद में लगाया जा रहा है... आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में संगठित अपराधों के खिलाफ कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण है। आतंकवाद को उखाड़ फेंके जाने तक देश चैन से नहीं बैठेगा।

उन्होंने कहा कि सभी आतंकवादी हमलों में एक समान आक्रोश और कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दशकों से विभिन्न नामों और रूपों में आतंकवाद ने भारत को चोट पहुंचाने की कोशिश की और इस वजह से देश ने हजारों कीमती जीवन खो दिए लेकिन इसके बावजूद देश ने आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने आतंकवाद का बहादुरी से मुकाबला किया है और वह तब तक चैन से नहीं बैठेगा, जब तक इसे जड़ से उखाड़ कर फेंक नहीं दिया जाता।

उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में कोई अगर-मगर हस्तक्षेप नहीं कर सकता। आतंकवाद के हर तरह के प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन के खिलाफ दुनिया को एकजुट होने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यापक रणनीति के बिना आतंकवाद के वित्त पोषण पर चोट करने का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता और इस दिशा में अभी तक जो रणनीतिक बढ़त मिली है, वह भी कहीं पीछे छूट जाएगी।

मोदी ने कहा कि संप्रभु देशों को अपनी प्रणालियों पर अधिकार है, लेकिन हमें चरमपंथी तत्वों को प्रणालियों के बीच मतभेदों का दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

उन्होंने कहा, जो कोई भी कट्टरपंथ का समर्थन करता है, उसे किसी भी देश में समर्थन नहीं मिलना चाहिए।

सम्मेलन के भारत में आयोजन की अहमियत को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने बहुत पहले ही आतंकवाद की भयावहता को गंभीरता से लेने की पहल की थी।

मोदी ने कहा कि आतंकवाद का दीर्घकालिक स्वरूप विशेष रूप से गरीबों या स्थानीय अर्थव्यवस्था पर चोट करता है, चाहे वह पर्यटन हो या व्यापार।

उन्होंने कहा कि कोई भी उस क्षेत्र में जाना पसंद नहीं करता है जो खतरे में है और इसके कारण लोगों की रोजी-रोटी छिन जाती है। उन्होंने कहा, यह अधिक महत्वपूर्ण है कि हम आतंकवाद के वित्तपोषण की जड़ पर प्रहार करें।

इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण पर मौजूदा अंतरराष्ट्रीय शासन की प्रभावशीलता के साथ-साथ उभरती चुनौतियों के समाधान के लिए आवश्यक कदमों पर विचार-विमर्श करने के लिए किया गया है ।

सम्मेलन में दुनिया भर के लगभग 450 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इनमें मंत्री, बहुपक्षीय संगठनों के प्रमुख और वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख शामिल हैं।

सम्मेलन के दौरान, चार सत्रों में 'आतंकवाद और आतंकवादी वित्तपोषण में वैश्विक रुझान, आतंकवाद के लिए धन के औपचारिक और अनौपचारिक चैनलों का उपयोग, उभरती प्रौद्योगिकियां और आतंकवादी वित्तपोषण और आतंकवादी वित्तपोषण का मुकाबला करने में चुनौतियों के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग विषयों पर चर्चा की जाएगी।

वी अग्निवीर वायु सेना एक्स एंड वाई परीक्षा के लिए प्रारंभिक कोर्स मटेरियल प्रदान करता है

सिलीगुड़ी, 18 नवम्बर । वी ने परीक्षा के साथ साझेदारी में वी ऐप पर अग्निवीर वायु सेना एक्स एंड वाई समूह के लिए तैयारी मटेरियल की पेशकश की है। वी ऐप पर उपलब्ध कोर्स मटेरियल प्रसिद्ध कैडेट डिफेंस अकादमी द्वारा तैयार की गई है। वी उपयोगकर्ताओं को आईएएफ नौकरी परीक्षा के लिए प्रारंभिक मटेरियल तक पहुंच प्राप्त होगी जैसे कि संजीव ठाकुर सहित अकादमी के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों की लाइव क्लासेस, मॉक टेस्ट और अन्य।

सरकारी नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को पंख देते हुए, वी जॉब्स एंड एजुकेशन सेंटर / राज्य सरकार के लिए तैयारी मटेरियल प्रदान करता है। स्टाफ सेलेक्शन कमीशन, बैंकिंग, शिक्षण, रक्षा, रेलवे आदि जैसे विभिन्न श्रेणियों में 150+ परीक्षाओं में असीमित मॉक टेस्ट सहित नौकरियां, 249/साल रुपये की मामूली सदस्यता शुल्क पर। अनुभव करने के लिए, वी जॉब्स एंड एजुकेशन विभिन्न श्रेणियों में एक मुत मॉक टेस्ट प्रदान करता है।

अग्निवीर वायु के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है और इच्छुक उम्मीदवार 23 नवंबर, 2022 तक आवेदन कर सकते हैं। अग्निवीर वायु सेवन 2023 के लिए ऑनलाइन परीक्षा तिथि 18 जनवरी 2023 से 24 जनवरी 2023 निर्धारित की गई है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सीएनजी सेगमेंट में प्रवेश की घोषणा की

सिलीगुड़ी, 18 नवम्बर । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सीएनजी सेगमेंट में अपने प्रवेश की घोषणा की, जिससे ग्राहकों को चुनने के लिए टोयोटा ग्लैंजा के साथ-साथ अर्बन क्रूजर हाईराइडर मॉडल लाइन-अप दोनों में अधिक विकल्प उपलब्ध कराए गए है। नवीनतम जोड़ के साथ, हमें विश्वास है कि हमारे ग्राहकों को चुनने के लिए बाजार में अधिक विकल्प मिलेंगे, जिससे 'सभी के लिए गतिशीलता' के हमारे दर्शन को दोहराया जाएगा।

टोयोटा वाहन के मालिक होने की खुशी के अलावा, हमारे ग्राहकों को स्वामित्व की कम लागत और टोयोटा वाहनों की पूर्ण 'मन की शांति' से भी लाभ होगा, इस प्रकार सभी को सामूहिक खुशी प्रदान की जाएगी।

नई ई-सीएनजी ग्लैंजा की इंजन क्षमता 1197सीसी है, जिसका पावर आउटपुट 57 केडब्लु (77.5 पीएस) है और यह एक बेहतर ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है। ई-सीएनजी ग्लैंजा 30.61 केएम/केजी की ईंधन दक्षता का दावा करती है। ई-सीएनजी टेक्नोलॉजी के साथ टोयोटा ग्लैंजा की प्रतिस्पर्धी कीमत ग्रेड एस एंड जी के लिए क्रमश: रु 8,43,000 और रु 9,46,000 है जो 1.5-लीटर के-सीरीज़ इंजन और 5 स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ-साथ शीर्ष प्रदर्शन और 26.1 किमी/केजी के माइलेज को सुनिश्चित करने के लिए कई शानदार सुविधाओं के साथ आता है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2022 की अंतिम तिमाही मनाई

सिलीगुड़ी, 18 नवम्बर । स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2022 की अंतिम तिमाही को देहरादून में हिमालय की सुरम्य पृष्ठभूमि में एक इंटरनेशनल कांग्रींगेशन के साथ मनाया। पीक-टू-पीक ड्राइव ने भारत और दुनिया भर के ऑटोमोटिव विशेषज्ञों की एक बड़ी सभा को कंपनी और उसके भारत निर्मित उत्पादों की उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। स्कोडा ऑटो इंडिया ने हाल ही में आयोजित जीएनसीएपी क्रैश टेस्ट में कुशक के लिए पूर्ण 5-स्टार क्रैश सेटी रेटिंग की भी सराहना की।

भारत विश्व स्तर पर स्कोडा ऑटो के लिए तीसरा सबसे बड़ा बाजार बनने की स्थिति मजबूत करता है। और खाड़ी देशों को मेड-इन-इंडिया, मेड-फॉर-इंडिया एमक्यूबी-ए0-इन प्लेटफॉर्म कारों का मजबूत निर्यात करती है। सालविया और कुशक दोनों सक्रिय और निष्क्रिय सुरक्षा सुविधाओं की एक श्रृंखला से लैस हैं। इनमें सभी यात्रियों के लिए व्यक्तिगत हेडरेस्ट के साथ थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट, छह एयरबैग, रोल-ओवर प्रोटेक्शन, चाइल्ड प्रोटेक्शन के लिए आईसोफिक्स माउंट और कई अन्य विशेषताएं और कुशक भारत में सबसे सुरक्षित कार के रूप में जीएनसीएपी 5-स्टार क्रैश रेटिंग के साथ शामिल हैं। इस समय के भीतर, कंपनी ने अपने इंडिया 2.0 प्रोजेक्ट और मेड-इन-इंडिया, मेड-फॉर-इंडिया एमक्यूबी-ए0-इन प्लेटफॉर्म की सफलता को प्रदर्शित करते हुए रिकॉर्ड तोड़ बिक्री महीनों, बिक्री क्वार्टरों और एच1 को भी देखा। श्री पेट्रोऑल्क, ब्रांड निदेशक, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कहा, 2022 हमारे लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है। हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, उससे हमें विश्वास है कि हम इस गति को 2023 और उससे आगे तक ले जाएंगे।

वी फाउंडेशन ने बाल दिवस मनाया

सिलीगुड़ी, 18 नवम्बर । बाल दिवस के अवसर पर, वी की सीएसआर शाखा, वी फाउंडेशन ने 'वीर की कहानियां' पुस्तक के दूसरे संस्करण का विमोचन करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया है और बच्चों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और पाठ्येतर उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया है। पुस्तक वी फाउंडेशन के विभिन्न सामाजिक प्रभाव कार्यक्रमों से बच्चों की वास्तविक जीवन की कहानियों का संकलन है। इसके अतिरिक्त, वी फाउंडेशन ने 'चलो मेरी स्टोरी पढ़े' पुस्तक का भी अनावरण किया, जो समुदायों की कहानियों का संग्रह है। 'वीर की कहानियां' और 'चलो मेरी कहानी पढ़े' पुस्तक का विमोचन अनुराग मालू, उद्यमी, पर्वतारोही, और यूनाइटेड नेशन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के ग्लोबल एडवोकेट, वीआईएल के चीफ रेगुलेटरी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर और निदेशक, पी बालाजी वी फाउंडेशन; और डॉ. निलय रंजन, प्रमुख, वी फाउंडेशन की उपस्थिति में किया गया।

पुस्तक 'वीर की कहानियां' अपने पाठकों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से उन बच्चों की यात्रा पर ले जाने का वादा करती है जिन्होंने संघर्षों को पार कर अपने सपनों का पीछा किया है। इसमें बताया गया है कि कैसे वी फाउंडेशन ने बच्चों को उनकी पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए टेक्नोलॉजी का लाभ उठाया है और शिक्षकों को उनके जुनून का पालन करने और रचनात्मक तरीकों से ज्ञान प्रदान करने में मदद की है।

इस कार्यक्रम में वीआईएल के चीफ रेगुलेटरी एंड कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर और वी फाउंडेशन के निदेशक पी बालाजी ने कहा, हमारा प्रयास बड़े पैमाने पर हासिल करने के लिए अपने प्रोग्राम का विस्तार करना जारी रखना है जिससे हमारे बच्चों के भविष्य में सुधार हो और राष्ट्र निर्माण में सहायता मिले।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा स्थानीय महिलाओं को बनाया जा रहा है आत्मनिर्भर

गणेश सिंह 'वशाल'

सिंगरौली, 18 नवम्बर । स्थानीय महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए और आत्मनिर्भर की राह प्रशस्त करने के लिए माडा तहसील के बंधौरा, नगवा, कर्सुआलाल और खैराही गांवों में एक ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महान इनर्जेन लिमिटेड और अदाणी फाउंडेशन के द्वारा चलाये जा रहे सक्षम योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण, मशरूम का उत्पादन, धूपबत्ती, अगरबत्ती एवं संब्रानी कप बनाने जैसी ट्रेनिंग दी जाएगी। तीन दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारम्भ बुद्धवार को किया गया। अभी तक लगभग 200 से अधिक महिलाऐं सक्षम योजना के तहत चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़ चुकी हैं।

माडा तहसील अंतर्गत बंधौरा, नगवा, कर्सुआलाल एवं खैराही गांव में महान इनर्जेन लिमिटेड के सहयोग से अदाणी फाउंडेशन द्वारा स्थानीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार देने के उद्देश्य से सक्षम योजना के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महान इनर्जेन लिमिटेड और अदाणी फाउंडेशन की टीम के मदद से ग्रामीण महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण, मशरूम का उत्पादन, धूपबत्ती, अगरबत्ती एवं संब्रानी कप बनाने जैसी ट्रेनिंग दी जा रही है।

निर्धारित प्रशिक्षण के बाद ये महिलाएं जहां अपना खुद का व्यवसाय चला पायेंगी तथा दुकान खोलकर स्वरोजगार कर सकेंगी, वहीं आने वाले समय में महान इनर्जेन लिमिटेड और अदाणी फाउंडेशन के द्वारा इन्हें इनके प्रशिक्षण के हिसाब से और भी काम आवंटित करते रहने की भी योजना है। इन्हीं महिलाओं के माध्यम से बच्चों के लिए स्कूल ड्रेस एवं स्कूल बैग का उत्पादन करवाने का लक्ष्य है ताकि इन गांवों की अधिकतर जरूरतों की पूर्ति स्थानीय स्तर पर की जा सके। जहां एक तरफ इन महिलाओं के माध्यम से बच्चों के लिए स्कूल ड्रेस एवं स्कूल बैग का उत्पादन करवाने का लक्ष्य रखा गया है वहीं मशरूम की फसल की खेती पर भी जोर दिया जा रहा है। ट्रेनिंग प्रोग्राम की संरचना इस तरह से तैयार की गयी है कि छोटे और सीमांत किसान कम जगह और कम लागत में मशरूम की खेती शुरू कर अच्छा मुनाफ़ा कमा सकते हैं। भूमिहीन किसान भी इसका उत्पादन कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि मशरूम ऐसी उच्च मूल्य वाली कृषि फसल है, जो छोटे और सीमांत किसानों की आय में बढ़ोतरी करने में कारगर साबित हो सकती है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार, महिलाओं और बेरोजगारों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अदाणी फाउंडेशन द्वारा समय-समय पर कई योजनाओं की शुरुआत की जाती है। जिन ग्रामीण महिलाओं में शिक्षा का अभाव है एवं कृषि कार्य से जुड़ी हैं, वैसी महिलाओं को खेतों को उपजाऊ बनाने के लिए वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने की तकनीक और जैविक खाद बनाने के तरीके से अवगत कराया जा रहा है। सीएसआर टीम के प्रबंधक मनोज प्रभाकर के मुताबिक, अदाणी फाउंडेशन का लक्ष्य जरूरतमंद ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार मुहैया कराने का है ताकि वे घर में ही रहकर लगभग 5 से 8 हजार तक की मासिक आमदनी कर सकें। स्थानीय ग्रामीणों ने अदाणी फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे इन सामाजिक विकास कार्यों की काफी सराहना की है और उनका मानना है कि महिलाओं के आत्मनिर्भर होने से पारिवारिक खुशहाली के साथ-साथ सामाजिक विकास होगा।

गुजरात पोल ड्यूटी इंस्टा में पोस्ट करने पर चुनाव आयोग ने आईएएस अधिकारी को चुनावी ड्यूटी से हटाया

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को एक आईएएस अधिकारी को सोशल मीडिया पर जनरल ऑब्जर्वर के रूप में पोस्ट करने के बाद चुनावी ड्यूटी से हटा दिया।

निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश के एक आईएएस अधिकारी को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपने आधिकारिक कार्यों से संबंधित तस्वीरें पोस्ट कर 'प्रचार हथकंडा' अपनाने के आरोप में गुजरात विधानसभा चुनाव के सामान्य पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया है।

सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आयोग ने शुक्रवार को गुजरात के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को कड़े शब्दों में लिखे एक पत्र में कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2011 बैच के अधिकारी ने सामान्य पर्यवेक्षक के रूप में अपनी नियुक्ति को साझा करने के लिए सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम का इस्तेमाल किया और अपने आधिकारिक पद का इस्तेमाल पब्लिसिटी स्टंट(प्रचार हथकंडे) के लिए किया।

सूत्रों ने बताया कि आयोग ने सीईओ से उक्त अधिकारी द्वारा पोस्ट की गई तस्वीरें भी साझा की।

सूत्रों ने पत्र का हवाला देते हुए बताया कि आयोग ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया और उन्हें सामान्य पर्यवेक्षक की भूमिका से तत्काल मुक्त कर दिया।

आयोग ने अगले आदेश तक उस अधिकारी को चुनाव संबंधी कोई भी जिम्मेदारी सौंपे जाने पर रोक लगा दी है।

सूत्रों के मुताबिक उक्त अधिकारी को उस निर्वाचन क्षेत्र को छोड़ने का भी निर्देश दिया गया है, जहां की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी। अधिकारी से कहा गया है कि वह अपने मूल कैडर में अपने नोडल अधिकारी को रिपोर्ट करें।

इस अधिकारी से बतौर पर्यवेक्षक मिलने वाली सारी सुविधाएं भी वापस ले ली गई हैं।

सूत्रों ने बताया कि उक्त अधिकारी की जगह एक अन्य आईएएस अधिकारी को संबंधित विधानसभा क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

अब सरकारी पोर्टल के माध्यम से होगा उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति का आवेदन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । राज्य में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करते समय अब विद्यार्थियों को सामाजिक न्याय एवं कल्याण विभाग के माध्यम से राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर 'लॉग इन' करना होगा। विभाग के सचिव छेवांग ग्याछो भूटिया ने आज यहां यह जानकारी देते हुए कहा कि पहले छात्रों को छात्रवृत्ति हेतु राज्य सरकार के पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना पड़ता था। लेकिन अब केंद्र सरकार द्वारा नियमों में बदलाव के कारण विद्यार्थियों को इसके लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर लॉग इन करना जरूरी है।

भूटिया ने कहा कि विद्यार्थियों के पास छात्रवृत्ति के लिए अब नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने आगे कहा, भारत सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और अन्य पिछड़ी जाति के निम्न आय वाले परिवारों के छात्रों को 'पीएम यशस्वी योजना' के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करती है। हाल ही में केंद्र सरकार ने छात्रवृत्ति के मानदंड में कुछ बदलाव किए हैं। इसके तहत खासकर अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की फीस में कटौती की गयी है। हालांकि इस वर्ग के छात्रों को प्री मैट्रिक में सिर्फ सरकारी स्कूलों में ही प्रवेश मिलेगा। उससे नीचे की कक्षाओं के लिए छात्रवृत्ति नहीं दी जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के छात्रों की फीस को लेकर केंद्र सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं आया है। हालांकि, इस श्रेणी के छात्रों को सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में प्रवेश मिल सकेगा।

इस दौरान सचिव ग्याछो ने छात्रों और उनके अभिभावकों से गलती से राज्य के पोर्टल पर लॉग इन न करने की अपील भी की। इसके अलावा उन्होंने ऑनलाइन फार्म भरते समय भी ध्यान देने को कहा। उनके अनुसार जिन छात्रों ने पूर्व में स्टेट पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करा रखा है, उन्हें नेशनल पोर्टल पर भी जाना होगा।

इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के माता-पिता से वार्षिक आय विवरण देते समय गलत सूचना नहीं देने की भी सलाह दी। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में कई अभिभावकों ने इस सम्बंध में गलत जानकारी दी हैं।

एससी का जनसंख्या नियंत्रण याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश में जनसंख्या विस्फोट को नियंत्रित करने के लिए दिशा निर्देशों की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि वह इस मुद्दे को नहीं छूएगा, क्योंकि यह सरकार का काम है।

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अभय एस ओका की बेंच ने याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय से सवाल किया कि क्या अब कोर्ट इस पर फैसला करेगा? पीठ ने उनसे कहा कि कुछ समझदारी होनी चाहिए।

उपाध्याय ने तर्क दिया कि भारत के पास दुनिया की केवल 2 प्रतिशत भूमि है, इसकी जनसंख्या का 20 प्रतिशत है। पीठ ने टिप्पणी की कि याचिका अदालत के दायरे से बाहर है और सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। उपाध्याय दो बच्चों के नियम को अनिवार्य करने की मांग कर रहे थे, पीठ ने कहा कि विधायिका को यह करने दें, यह अदालत का काम नहीं है। पीठ ने कहा- विधि आयोग इस बारे में क्या कर सकता है? यह एक सामाजिक मुद्दा है और सरकार को इसे ध्यान में रखना चाहिए।

पीठ ने उपाध्याय और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं में की गई प्रार्थनाओं पर कहा: आपने रविवार को राष्ट्रीय जनसंख्या दिवस घोषित करने के लिए तमाम प्रार्थनाएं की हैं। कानून आयोग इन सब में कैसे पड़ सकता है। क्या यह विधि आयोग का काम है?

उपाध्याय ने कहा कि मामला गंभीर महत्व का है और जनसंख्या वृद्धि से संबंधित आंकड़ों की ओर इशारा किया। लेकिन, पीठ ने कहा- हम इस मुद्दे को नहीं छूएंगे। यह सरकार का काम है। केंद्र के वकील ने कहा कि जनसंख्या में वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए सरकार अपनी क्षमताओं के अनुसार सब कुछ कर रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह याचिका पर विचार करने की इच्छुक नहीं है और उपाध्याय ने इसे वापस ले लिया।

उपाध्याय द्वारा दायर याचिका में संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 के तहत गारंटीकृत मूल अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए जनसंख्या विस्फोट को नियंत्रित करने के लिए केंद्र से निर्देश मांगा। याचिका में 3 सितंबर, 2019 के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी जिसमें कहा गया था कि कानून बनाना संसद और राज्य विधानसभाओं का काम है न कि अदालत का। याचिका में कहा गया है कि हाई कोर्ट इसे समझने में विफल रहा कि जनसंख्या नियंत्रण के बिना स्वच्छ हवा का अधिकार, पीने के पानी का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, शांतिपूर्ण नींद का अधिकार, आश्रय का अधिकार, आजीविका का अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 21 और 21ए के तहत शिक्षा के अधिकार की गारंटी नहीं दी जा सकती।

याचिका में की गई प्रार्थनाओं में से एक ने कहा- विकल्प के रूप में, भारत के विधि आयोग को निर्देशित करें कि वह विकसित देशों के जनसंख्या नियंत्रण कानूनों और जनसंख्या नियंत्रण नीतियों की जांच करे और मौलिक अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए जनसंख्या नियंत्रण उपायों का सुझाव दें।

सीतारमण ने एआईआईबी से भारत में निवेश करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) से भारत के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और निजी वित्त जुटाने का आग्रह किया।

जिन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने का आग्रह किया गया है उनमें अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और जलवायु स्मार्ट प्रौद्योगिकी शामिल हैं। उन्होंने शुक्रवार को एआईआईबी के अध्यक्ष जिन लिकुन से मुलाकात के दौरान यह अनुरोध किया।

सीतारमण ने बैंक के दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक के गवर्नर के रूप में लिकुन से मुलाकात की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दोनों ने एआईआईबी और भारत के लिए प्रस्तावित मुद्दों पर चर्चा की।

सूत्रों ने कहा कि चूंकि भारत एआईआईबी का सबसे बड़ा ग्राहक है, वित्त मंत्री ने बैठक के दौरान दोहराया कि उसे भारत में एक क्षेत्रीय उपस्थिति स्थापित करने के बारे में सोचना चाहिए ताकि परियोजना अधिकारियों तक संवाद और पहुंच की सुविधा मिल सके।

भारत में एआईआईबी के बढ़ते पोर्टफोलियो की सराहना करते हुए, सीतारमण ने सुझाव दिया कि इसे नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश बढ़ाना चाहिए।

इससे पहले 26 अक्टूबर को, वित्त मंत्री ने एआईआईबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 7वीं वार्षिक बैठक में हिस्सा लिया था, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि बैंक भारत के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निवेश में तेजी लाएगा।

भारत दशकों से सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है : अमित शाह

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। नो मनी फॉर टेरर मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान को जमकर खरी खोटी सुनाई। गृह मंत्री ने कहा कि भारत कई दशकों से आतंकवाद का शिकार रहा है, जो सीमा-पार से प्रायोजित है।

अमित शाह ने कहा कि भारतीय सुरक्षा बलों और आम नागरिकों को, निरंतर और समन्वित तरीके से की गई अत्यंत गंभीर टेररिस्ट हिंसा की घटनाओं से जूझना पड़ा है। अमित शाह ने पाकिस्तान और चीन का बिना नाम लेते हुए कहा कि दुर्भाग्य से, कुछ देश ऐसे भी हैं, जो आतंकवाद से लड़ने के हमारे सामूहिक संकल्प को कमजोर या नष्ट करना चाहते हैं। हमने कई बार देखा है कि कुछ देश आतंकवादियों का बचाव करते हैं और उन्हें पनाह भी देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी आतंकवादी को संरक्षण देना आतंकवाद को बढ़ावा देने के बराबर है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि, ऐसे लोग अपने इरादों में कभी सफल न हो सकें।

अमित शाह ने आगे कहा कि अगस्त, 2021 के बाद, दक्षिण एशिया के क्षेत्र में स्थिति में बहुत परिवर्तन आया है। सत्ता परिवर्तन, तथा अल कायदा और आईएसआईएस का बढ़ता प्रभाव, रीजनल सिक्यूरिटी के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभर कर सामने आए हैं। इन नए समीकरणों ने टेरर फाइनेंसिंग की समस्या को और अधिक गंभीर बना दिया है। तीन दशक पूर्व ऐसे ही एक रेजीम-चेंज के गंभीर परिणाम पूरी दुनिया को सहने पड़े थे।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि नाइन-इलेवन (9/11) जैसे भयंकर हमले को हम सभी ने देखा है। इस बैकग्राउंड में, पिछले साल दक्षिण एशियाई क्षेत्र में हुआ परिवर्तन, हम सभी के लिए चिंता का विषय है। अल कायदा के साथ-साथ दक्षिण एशिया में, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे गुट बेखौफ होकर आज भी आतंक फैलाने के फिराक में है।

गृह मंत्री ने आगे कहा कि भारत टेररिज्म के सभी रूपों, और प्रकारों की निंदा करता है। हमारा यह स्पष्ट मानना है कि निर्दोष लोगों की जान लेने जैसे कृत्य को उचित ठहराने का कोई भी कारण स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसीलिए, मैं दुनिया भर के, टेररिस्ट हमलों के पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। हमें इस बुराई से, कभी समझौता नहीं करना चाहिए।

अमित शाह ने ये भी कहा कि हमें कभी भी आतंकवादियों के पनाहगाहों, या उनके संसाधनों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ऐसे तवों को स्पोंसर करने वाले, इनको सपोर्ट करने वाले तवों के डबल-स्पीक को भी हमें उजागर करना होगा। उन्होंने कहा कि इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि यह सम्मेलन, सहभागी देश और संगठन, इस क्षेत्र की टेररिस्ट चुनौतियों के बारे में सेलेक्टिव या आत्मसंतुष्ट ऑप्टिकोण न रखे।

स्वस्थ समाज एवं मादक .....

ने सारथी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और राज्य में एसएडीए मामलों में कमी के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने इस पहल से युवाओं के पूर्ण विकास में मदद की उम्मीद जताई। वहीं क्षेत्रीय विधायक ने भी जिले में सारथी के प्रदर्शन को प्रशंसनीय बताते हुए जिले के विकास हेतु इसके जारी रहने की आशा व्यक्त की। इसी प्रकार महासचिव विशाल पोखरियाल ने संगठन के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में अतिरिक्त राजनीतिक सचिव छिरिंग वांग्चुल लेप्चा, आईटी सलाहकार तेन्जिंग लाम्टा, आरडीडी अध्यक्ष सुश्री सुनीता गौतम, संस्कृति विभाग की सलाहकार श्रीमती भीम कुमारी शर्मा, अध्यक्ष सुश्री गंगा परसाई, सीईओ एडी छेत्री के अलावा जिला एसडीएम छिरिंग नोर्गेयाल थेंग, एएसपी, नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष श्रीमती लादेन भूटिया, जिला उपाध्याय श्रीमती प्रभा प्रधान एवं अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

सिक्किम एसएसीएस द्वारा ....

स्कूलों एवं कॉलेजों ने भाग लिया था। उसके बाद सेमीफाइनल में 8 संस्थानों का चयन किया गया। इनमें नामथांग गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिक्किम गवर्नमेंट कॉलेज बुर्तुक, सिंगताम गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोनम चोडा लेप्चा मेमोरियल सेकेंडरी लिंग्दोंग, देवराली गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लेगशिप गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लिंग्मू गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल और सिक्किम प्रोफेशनल नर्सिंग स्कूल शामिल रहे।

आज प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम पुरस्कार के तौर पर 20 हजार रुपए नगद, द्वितीय पुरस्कार के तौर पर 15 हजार रुपए और तृतीय पुरस्कार के तौर पर 10 हजार रुपए प्रदान किये गये। इसके साथ ही उन्हें ट्रॉफी और प्रमाणपत्र भी दिये गये। वहीं सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी दिया गया।

देश की उन्नति .....

करके रोजगार के अवसर सृजन करें और रोजगार प्रार्थी न बनकर स्वयं रोजगार प्रदाता बनें। इसके लिए डिजिटल इंडिया का लाभ उठाने, स्टार्ट-अप और उद्यमिता की संस्कृति को अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए आगे आने और राष्ट्र के विकास में सशक्त माध्यम बनने पर जोर दिया।

सिक्किम विश्वविद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि युवा पीढ़ी में प्रबोधन एवं ज्ञान की ज्योति फैलाने में सिक्किम विश्वविद्यालय उचित भूमिका निभा रहा है। इसके लिए संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को बधाई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सिक्किम सरकार के शिक्षा मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष चुने गए बलराम अधिकारी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । साम्दोंग-कामबल क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य बलराम अधिकारी को गंगटोक जिला पंचायत का अध्यक्ष और सामलिक-नामली की देवी माया प्रधान को जिला उपाध्यक्ष चुना गया है। आज जिला शासक व जिला निर्वाचन अधिकारी रागुल के. की अध्यक्षता में नवनिर्वाचित जिला पंचायतों की बैठक में इन नामों की घोषणा की गई। यह बैठक राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी आरक्षण के तहत जिले से एक ओबीसी महिला अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के लिये थी। इस दौरान सह निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला शासक तुषार निखरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जिला शासक रागुल के. ने सभी निर्वाचित जिला पंचायत प्रतिनिधियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने जिले में एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक, लेखा और इंजीनियरिंग सेल होने की बात कहते हुए सभी निर्वाचित सदस्यों को विकास हेतु सम्मिलित रूप से कार्य करने का आग्रह किया।

वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष चुने जाने के बाद बलराम अधिकारी ने सभी जिला पंचायत प्रतिनिधियों को धन्यवाद देते हुए आमलोगों और समाज की भलाई हेतु सभी नियमों का पालन करते हुए उन्हें प्रदत्त क्षमताओं का उपयोग करने की प्रतिबद्धता जतायी।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:103 DrawDate on:18/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 46K 51625
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 51625 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
17589 22480 22645 41812 44978 45926 61348 64901 88336 99311
3rd Prize ₹450/-
0119 0651 2544 2642 4495 8583 8832 9978 9983 9985
4th Prize ₹250/-
0527 1231 7139 7286 7336 8151 8921 9161 9500 9746
5th Prize ₹120/-
0009 0139 0297 0429 0570 0772 0782 0864 0906 0929
1053 1218 1364 1512 1642 1645 1755 1926 1965 2054
2094 2542 2739 2860 2952 2958 3145 3200 3219 3264
3487 3544 3549 3554 3565 3664 3690 3746 3793 3833
3887 3890 4016 4034 4079 4106 4123 4177 4178 4204
4233 4367 4456 4821 5053 5155 5252 5291 5385 5541
5603 5981 6085 6108 6239 6414 6417 6450 6607 6609
6853 6901 6932 6941 6972 7048 7180 7294 7634 7682
7851 7931 7959 8070 8088 8313 8682 8694 8767 8834
8900 9272 9588 9615 9669 9676 9694 9829 9937 9986
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:103 DrawDate on:18/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 96J 59665
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 59665 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00338 01565 17098 21717 38575 41707 49196 51527 58780 98691
3rd Prize ₹450/-
3472 4565 4992 5119 6471 6852 6912 7422 8434 9957
4th Prize ₹250/-
0974 1142 4423 4955 5159 6353 6526 7077 7380 8113
5th Prize ₹120/-
0232 0322 0406 0536 0548 0680 0728 0782 0905 0924
0990 0998 1051 1298 1379 1413 1431 1490 1515 1581
1732 1958 1983 2257 2300 2364 2416 2467 2476 2543
2603 2673 2688 2706 2831 2951 2975 3100 3417 3508
3657 3719 3833 3991 4136 4181 4254 4346 4477 4487
4569 4649 4652 4679 4684 4880 4939 5014 5219 5252
5436 5604 5609 5621 5652 5712 5795 6056 6118 6165
6341 6520 6572 6620 6883 6890 6940 6952 6989 7027
7124 7351 7448 7859 7931 8334 8447 8858 8915 8959
9112 9264 9334 9551 9628 9692 9806 9857 9859 9912
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:203 DrawDate on:18/11/22
1st Prize ₹1 Crore/- 82H 21398
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 21398 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
15014 30040 53683 61896 63880 64976 64991 68324 72222 88418
3rd Prize ₹450/-
0983 1124 1433 1573 1894 2943 3659 6283 7117 7804
4th Prize ₹250/-
1419 2593 5600 5937 6341 6522 6527 9349 9447 9680
5th Prize ₹120/-
0000 0063 0269 0299 0361 0451 0725 0918 1033 1168
1321 1602 1606 1621 1697 1698 1944 1997 2005 2054
2308 2386 2406 2863 2905 2934 2962 3050 3113 3218
3299 3352 3504 3544 3613 3704 4062 4124 4236 4365
4376 4393 4817 4892 4927 4940 4941 4984 5035 5053
5102 5167 5344 5520 5588 5611 5744 5952 6022 6113
6315 6404 6519 6530 6553 6602 6763 6820 6833 6865
6951 7001 7430 7435 7436 7677 7686 7742 7755 7786
7849 7876 8020 8028 8039 8044 8082 8173 8275 8448
8496 8532 8732 8895 9136 9160 9237 9558 9937 9963
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

जूवेनाइल जस्टिस एक्ट पर सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2018 के बहुचर्चित कठुआ गैंगरेप और मर्डर केस में नाबालिग बताए गए एक आरोपी के बारे में यह व्यवस्था दी कि वह अपराध को अंजाम देते वक्त बालिग था और इसीलिए उसके खिलाफ एक वयस्क के रूप में ही मुकदमा चलाया जाना चाहिए। यह मामला आठ साल की एक बच्ची के साथ क्रूरता की इंतिहा के चलते ही नहीं, आरोपियों के बचाव में शुरू की गई राजनीतिक मुहिम के कारण भी देश भर में चर्चित हुआ था। मगर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले की अहमियत के कई और पहलू भी हैं। इस आरोपी की सही उम्र को लेकर संदेह शुरू से था। बचाव पक्ष की ओर से इस संबंध में जो दस्तावेज पेश किए गए थे, उनमें भी खामियां पाई गईं। मगर निचली अदालतों में ये खामियां नहीं पकड़ी जा सकीं।

सुप्रीम कोर्ट ने इन्हीं खामियों को मद्देनजर रखते हुए विशेषज्ञों की समिति की उस रिपोर्ट पर भरोसा करना बेहतर समझा, जिसमें अपराध के समय आरोपी की उम्र 19 से 23 साल के बीच होने की बात कही गई है। हालांकि कोर्ट ने भी माना कि विशेषज्ञों की ऐसी मेडिकल ओपिनियन कोई ठोस साक्ष्य नहीं बल्कि एक राय ही है, लेकिन फिर भी उसने कहा कि ऐसे गंभीर अपराधों के मामले में अगर आरोपी की उम्र को लेकर संदेह की स्थिति बनती हो तो अपर्याप्त दस्तावेज के बजाय इस राय को ही फैसले का आधार बनाया जाना चाहिए। फैसले का दूसरा अहम पहलू अपराधियों को नाबालिग मान कर उन्हें दी जाने वाली कानूनी रियायतों से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट का यह ऑब्जर्वेशन बेहद महत्वपूर्ण है कि नाबालिग बताकर अपराधियों को सजा में रियायतें दिए जाने से उनमें सुधार होने के बजाय अपराधियों का दुस्साहस ही बढ़ता है।

साफ है कि कोर्ट का इशारा जूवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 की ओर था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून के औचित्य पर कोई सीधी टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह कहते हुए इस पर सवाल जरूर खड़ा कर दिया कि नाबालिगों द्वारा अपराध के बढ़ते मामलों के मद्देनजर हम यह सोचने को मजबूर हैं कि क्या सचमुच यह कानून अपना मकसद पूरा करने में कामयाब हुआ है। साफ है कि अब आगे का काम सरकार का है।

निश्चित रूप से कच्ची उम्र में किए गए अपराधों के लिए सजा देते हुए ध्यान बच्चों के सुधार पर ही होना चाहिए, लेकिन कोई खास प्रावधान उन बच्चों में सुधार ला रहा है या नहीं, यह देखना भी उसी प्रक्रिया का हिस्सा होना चाहिए। खासकर जब ऐसे संकेत मिल रहे हों कि घृणित कृत्यों को अंजाम देने के बाद अपराधी तत्व उस प्रावधान का इस्तेमाल अपनी सजा कम करवाने में कर रहे हैं, तो फिर उसकी अनदेखी करने का कोई कारण नहीं रह जाता। सरकार को तत्काल इस दृष्टि से जूवेनाइल जस्टिस एक्ट पर पुनर्विचार की दिशा में प्रयास शुरू कर देने चाहिए।

चीन का नया मोहरा है तुर्किये

रवीन्द्र दुबे

वैश्विक परिदृश्य पर क्या चीन अपने धनबल का प्रयोग कर भारत को राजनयिक दृष्टि से अलग-थलग करने की कोशिशों में लगा हुआ है? यह प्रश्न फिलहाल राजनयिक गलियारों में बड़ी तेजी से घूम रहा है। जानकार सूत्रों के अनुसार, चीन के साथ भारत का सीमा संघर्ष पश्चिम एशिया में दो एशियाई शक्तियों के बीच व्यापक टकराव में फैल रहा है। मसलन, पश्चिम एशिया की एक और क्षेत्रीय शक्ति और खास क्षेत्रीय खिलाड़ी तुर्किये के साथ भारत के संबंध कश्मीर पर पाकिस्तान का पक्ष लेने के कारण खराब हो गए हैं।

कश्मीर में भारत विरोधी प्रभाव अभियानों को बढ़ावा देने में एक और दुबई बनने के बाद तुर्किये जल्द ही भारतीय रणनीतिकारों के लिए एक और सिरदर्द पैदा कर सकता है। कश्मीर पर एक-दूसरे के साथ मतभेद होने के अलावा, तुर्किये और भारत अजरबैजान और आर्मीनिया के बीच संघर्ष में विपरीत पक्षों का समर्थन कर रहे हैं। तुर्किये और पाकिस्तान विश्व मंच पर एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, जैसा कि कश्मीर पर उनके इसी तरह के बयानों से देखा गया है। विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान तुर्किये के राष्ट्रपति अर्दोआन द्वारा कश्मीर पर विचार करने की बात पर पलटवार किया था।

दूसरी ओर हाल ही के महीनों में चीन के साथ तुर्किये के संबंधों में सुधार हुआ है। कोविड-19 महामारी के कारण आसमान छूते बजट घाटे के कारण तुर्किये निवेश और विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चीन की ओर रुख कर रहा है। जून में तुर्किये ने 2019 में हस्ताक्षरित एक करोड़ डॉलर मुद्रा स्वैप व्यवस्था के तहत चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा दी गई 40 करोड़ डॉलर की वित्त पोषण सुविधा का उपयोग किया। तुर्किये ट्रांस-यूरेशियन कनेक्टिविटी के लिए बिल्डिंग ऐंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की महत्वाकांक्षा के एक केंद्रीय घटक के रूप में भी नजर आ रहा है, जो परिवहन, रसद, ऊर्जा और दूरसंचार क्षेत्रों में बड़े चीनी निवेश को आकर्षित कर रहा है।

इसके अलावा चीन अपने शिनजियांग क्षेत्र के मूल निवासी तुर्क मुस्लिम उइगरों के लिए अंकारा के समर्थन को बेअसर करने में सफल रहा है। हाल के महीनों में तुर्किये में उइगर शरणार्थियों ने तुर्किये के अधिकारियों द्वारा बढ़ते उत्पीड़न का सामना करने की सूचना दी है। चीन के साथ भारत के बदलते भू-राजनीतिक समीकरण नई दिल्ली के लिए न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में- जिसे एशिया प्रशांत भी कहा जाता है- बल्कि पश्चिम एशिया में भी अमेरिका के साथ अधिक निकटता से गठबंधन करने की आवश्यकता को रखांकित करते हैं। नई दिल्ली को चीन के खिलाफ अपने संघर्ष में इच्छुक क्षेत्रीय भागीदारों को खोजने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया में भारत की हालिया परेशानियां कम से कम कुछ हद तक पूरे क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से उपजी हैं। अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट (एईआई) के चाइना ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रैकर के अनुसार 2005 और 2019 के बीच चीन ने पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में 5,500 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया। एडडेटा रिसर्च लैब के आंकड़ों के अनुसार, 2004 और 2014 के बीच चीन ने इस क्षेत्र में लगभग 4,280 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता दी। क्षेत्र के कई देशों के लिए चीन उनका शीर्ष व्यापारिक भागीदार है और प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख स्रोत है।

बात सिर्फ तुर्किये तक ही सीमित नहीं है। ईरान पर भी नजर रखना जरूरी है। यह संकेत इस बात से मिलता है कि चीन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी का ढोल पीटते हुए ईरान ने चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान से जोड़ने वाली एक रेलवे परियोजना में भारत की संभावित भूमिका को स्पष्ट रूप से रद्द कर दिया है। ईरान एक ऐसा क्षेत्रीय खिलाड़ी है, जहां भारत का प्रभाव चीन के पक्ष में घटता नजर आ रहा है। चीन के साथ ईरान की व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते की खबर जनता के सामने जाहिर होने के कुछ दिनों बाद ही ईरान ने एक रेलवे लिंक के निर्माण की पहल की।

यह लिंक ईरान के चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान के जेरंज प्रांत से जोड़ती है। इससे भारत को परियोजना में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए जाने की बची-खुची उम्मीद भी जाती रही। यहां यह जानना जरूरी है कि भारत ने चाबहार बंदरगाह को रणनीतिक संपत्ति के रूप में पेश किया है, जहां उसने 10 साल की अवधि में 15 करोड़ डॉलर तक का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है, जो अन्य बातों के अलावा, हिंद-प्रशांत में चीन की 'मोतियों की माला' को टक्कर देने और ग्वादर में पाकिस्तान के चीन निर्मित बंदरगाह के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगा। गौरतलब है कि चाबहार बंदरगाह ग्वादर से महज 200 किलोमीटर की दूरी पर है। तेहरान के इस कदम के वास्तविक कारण को नई दिल्ली में राजनयिक विशेषज्ञों ने ईरान पर चीन के बढ़ते प्रभाव से निरूपित किया। उनका कहना है कि चीन ने चुपचाप काम करते हुए उन्हें एक बेहतर सौदे की पेशकश की। सितंबर, 2019 के बाद से तुर्किये ने चीन के प्रमुख सहयोगी पाकिस्तान और मलयेशिया के साथ मिलकर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के भारत के फैसले की निंदा की है।

भारत ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के मौके पर अंकारा के क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के साथ कूटनीतिक रूप से बातचीत करके तुर्किये से नौसैनिक जहाजों की खरीद के लिए 232 करोड़ डॉलर के अनुबंध को रद्द कर दिया था और तुर्किये के प्रतिद्वंद्वी आर्मीनिया को सैन्य रडार के साथ आपूर्ति करने के लिए चार करोड़ डॉलर की बोली हासिल की थी। जैसा कि अमेरिका के अनुभव से पता चलता है, नई दिल्ली को पश्चिम एशिया में चीन के साथ अपने व्यापक टकराव में इच्छुक भागीदारों को खोजने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

उनके शीर्ष सुरक्षा साझेदार होने के बावजूद वाशिंगटन ने इस्राइल और खाड़ी राजशाही को चीन से दूर रहने से रोकने के लिए संघर्ष किया है, जिसे वे निवेश, प्रौद्योगिकी और हथियारों के क्षेत्रों में एक आकर्षक भागीदार के रूप में देखते हैं। यद्यपि भारत के इस्राइल और खाड़ी राजतंत्रों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं- और 2014 में मोदी के पदभार संभालने के बाद से संबंधों में काफी सुधार हुआ है -यह चीन के साथ अधिक सहयोग के लिए उनकी भूख को रोकने में अमेरिका की तुलना में अधिक सफल साबित होने की संभावना नहीं है।

मनमानी पर उतरी विजयन सरकार

के. विक्रम राव

जिस निर्लज्जता से केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश की अवमानना की है, वह अत्यंत गंभीर संवैधानिक गलती है।

केरल उच्च न्यायालय के निर्णय को निरस्त करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने 21 अक्टूबर, 2022 को राज्य शासन द्वारा नामित एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर डॉ. एम. एस. राजश्री की नियुक्ति को अवैध करार दिया था। न्यायाधीश-द्वय मुकेश कुमार रसिकभाई शाह तथा चुडलाटी थेवन रवि कुमार ने अपने आदेश में कहा कि केरल शासन का निर्णय त्रुटिपूर्ण है, और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मान्य नियमों का उल्लंघन करता है। आयोग के अनुसार कुलपति के चयन के लिए खोज समिति बनती है जो कुछ नामों को अग्रसारित करती है। मगर डॉ. राजश्री का अकेला नाम सूची में था। वैकल्पिक नामांकन नहीं था। अत: वह रद्द कर दिया गया।

मगर माकपा शासन ने इस आदेश को क्रियान्वित नहीं किया। इसी तरह केरल उच्च न्यायालय ने केरल मत्स्य पालन एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय (केयूएफओएस) के कुलपति की नियुक्ति को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि उनकी नियुक्ति भी यूजीसी के मानदंडों के खिलाफ है। मुख्य न्यायाधीश एस. मणिकुमार और शाजी पाल चाली की खंड पीठ ने कहा कि डॉ. के. रीजि जॉन को केयूएफओएस का कुलपति नियुक्त करने के दौरान यूजीसी के उस नियम का पालन नहीं किया गया जिसके तहत कुलाधिपति को तीन या उससे अधिक दावेदारों की सूची भेजना अनिवार्य है। पीठ ने कहा कि नये कुलपति के लिए कुलाधिपति एक चयन कमेटी गठित कर सकते हैं। स्पष्ट किया कि कुलपति के चयन में यूजीसी के मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का यह फैसला डॉ. जॉन की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आया है।

यह फैसला राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान द्वारा जॉन का इस्तीफा मांगे जाने के कदम को जायज ठहराता है। खान ने इस आधार पर जॉन का इस्तीफा मांगा था कि उच्चतम न्यायालय ने ऐसे ही एक मामले में कहा था कि यूजीसी के मानदंडों के अनुसार राज्य सरकार द्वारा गठित चयन कमेटी को कम से कम तीन उपयुक्त दावेदारों के नामों की सिफारिश करनी चाहिए थी। राज्यपाल चाहते हैं कि कुलपति का नामांकन आयोग की नियमावली के मुताबिक हो। पिनरायी विजयन अपने चहेतों को पदासीन कराना चाहते हैं। यही मूलभूत मसला है कि शासन नियमों पर चलेगा या पार्टी हित में? आरिफ मोहम्मद खान के विरुद्ध अभियान की वजह क्या है? मुख्यमंत्री विजयन के निजी सचिव हैं केके रागेश। उनकी पत्नी को कन्नूर विश्वविद्यालय कुलपति तथा गोपीनाथ रवीन्द्रन को मलयालम भाषा विभाग में एसो. प्रोफेसर नियुक्त कर दिया गया है। चयन समिति के समक्ष छह प्रत्याशी पेश हुए थे।

सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार डॉ. प्रिया का शोध स्कोर मात्र 156 था। द्वितीय स्थान पर नामित हुए प्रत्याशी को 651 अंक मिले थे। इंटरव्यू में द्वितीय आए उम्मीदवार को कुल 50 में से 32 अंक मिले जबकि प्रिया को पचास में से मात्र 30 अंक। राज्यपाल आरिफ को सूचना मिली कि प्रिया के पति रागेश माकपा के छात्र संगठन एसएफआई के प्रमुख थे और माकपा के पूर्व सांसद। इस बीच केरल हाई कोर्ट ने प्रिया की नियुक्ति पर रोक भी लगा दी। यूजीसी को नोटिस भी जारी कर दिया।

इसके अतिरिक्त केरल में एक और शासकीय कुप्रथा है। इससे राज्य कोष पर अनावश्यक बोझ पड़ता है।

केरल के मंत्रियों को अधिकार है कि वे बीस-बीस व्यक्तियों को अपने निजी स्टाफ में नियुक्त कर सकते हैं। स्वाभाविक है कि सभी राजनीतिक कार्यकर्ता होंगे। ढाई साल की नौकरी के बाद सभी को कानूनन आजीवन पेंशन भी मिलती है। क्या पार्टीबाजी है? राज्यपाल ने इस पर ऐतराज जताया तो माकपा मुख्यमंत्री नाराज हो गए। माकपा ने राज्यपाल के पद ही को खत्म करने की मांग कर दी। एक अन्य अत्यंत गंभीर आरोप भी राज्यपाल का है कि मुख्यमंत्री राज्यपाल को शासकीय विषयों तथा सूचनाओं से वंचित रखते हैं। राज्यपाल को आतंकित करने में सारे हथकंडे अपनाते हैं।

सहजीवन के संबंधों में असुरक्षा

मोनिका शर्मा

आज की जीवन-शैली में अपनाए जा रहे मनचाहे रिश्तों ने नई तरह की असामाजिकता, असुरक्षा और अपराध के आंकड़े बढ़ाए हैं। राजधानी दिल्ली में मुंबई की एक लड़की के साथ हुआ वीभत्स अपराध इसी की बानगी है। दिल दहलाने वाली इस घटना में लंबे समय तक साथ रहने के बाद पीड़िता द्वारा शादी के लिए दबाव बनाने पर लिव-इन पार्टनर ने अपनी 26 वर्षीय साथी की न केवल बेरहमी से गला घोंटकर हत्या कर दी, बल्कि उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर जंगल में फेंक दिया। बेटी का फोन नंबर बंद रहने और उसकी कोई खबर न मिलने पर पिता ने एफआईआर दर्ज करवाई, तो हत्या के पांच महीने बाद इस हत्याकांड का खुलासा हुआ।

यह कटु सच है कि लिव-इन संबंधों में आए दिन घरेलू हिंसा, मौखिक दुर्व्यवहार और बर्बरता से हत्या के मामले सामने आते हैं। हाल ही में जोधपुर में भी लिव-इन में रह रहे साथी को नशा करने पर रोकने-टोकने के चलते पार्टनर ने गुस्से में गला दबाकर लड़की की जान ले ली थी। कुछ दिन पहले दिल्ली में ही एक और महिला की लिव-इन पार्टनर द्वारा हत्या कर लाश को हाइवे पर फेंकने की घटना सामने आई। पिछले महीने मध्य प्रदेश के शिवपुरी में लिव-इन रह रही महिला ने साथ रहने से मना किया, तो पार्टनर ने पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। ऐसी घटनाओं के समाचार देश के कोने-कोने से आते रहते हैं।

मौजूदा दौर में लिव-इन रिलेशनशिप से उपजी असुरक्षा इतनी बढ़ गई है कि कई बार न्यायालय द्वारा भी ऐसे रिश्तों पर तीखी टिप्पणी की गई है। बीते दिनों यौन उत्पीड़न के मामले की सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने लिव-इन संबंधों को अभिशाप बताते हुए उसे नागरिकों के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सांविधानिक गारंटी का बाई-प्रोडक्ट बताया था। दरअसल, लिव-इन रिश्तों में असुरक्षा और अपूर्णता हमेशा से बनी हुई है। एक-दूसरे का साथ पाकर भी सहजीवन के रिश्ते में भीतर के खालीपन और भय का माहौल हमेशा बना रहता है।

ऐसे अधिकतर रिश्तों का कोई भविष्य नहीं होता। कुछ समय पहले ऑरमैक्स मीडिया द्वारा भारत के 40 शहरों में युवाओं को लेकर किए गए एक अध्ययन में 72 फीसदी युवाओं ने माना कि लिव-इन रिलेशनशिप विफल रहते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से भी सहजीवन के रिश्ते में भावनात्मक धरातल पर रिक्तता ही देखने को मिलती है। ऐसी बर्बर घटनाएं ऐसे ही रीतेपन का नतीजा हैं। यही वजह है कि कुछ समय पहले उच्चतम न्यायालय ने लिव-इन रिलेशनशिप को शादी का दर्जा देने की बात कही थी, ताकि सामाजिक और पारिवारिक ताने-बाने से दूर कानूनी नियमों के जरिये ही सही इन संबंधों को स्थिरता और सुरक्षा दी जा सके।

आज के युवा-युवतियों के लिए यह समझना जरूरी है कि बिना जवाबदेही वाले लिव-इन संबंधों में विवाह संस्था जैसी भावनात्मक, सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा मिल पाना मुश्किल ही है। ऐसा नहीं है कि शादी के रिश्ते में सब सहज ही रहता है, पर दायित्वबोध और पारिवारिक जुड़ाव का भाव एक मजबूत पृष्ठभूमि बनकर मन-जीवन को थामता है। वैवाहिक संबंधों से जुड़ी सामाजिक स्वीकार्यता सुरक्षा और संबल देती है। सहजीवन के संबंधों में कोई बंधन नहीं होता, तो जिम्मेदारी का भाव भी नहीं होता है। कई मामलों में तो इन संबंधों की शुरुआत ही शोषण के इरादे से की जाती है। अफसोस कि सहजीवन के रिश्ते में भी लड़कियां ही ज्यादा ठगी जाती हैं। वे अपने लिव-इन पार्टनर की अपेक्षा इन संबंधों को लेकर अधिक संवेदनशील होती हैं। एक समय के बाद अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर आशंकित होने पर वे शादी कर घर बसाने के बारे मे सोचने लगती हैं। इन संबंधों में कितनी ही महिलाएं लिव-इन साथी द्वारा यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का शिकार बनकर चुप्पी साध लेती हैं। यही नहीं, इन संबंधों में जन्मे बच्चों की जिम्मेदारी और सुरक्षा भी लंबे समय से बहस का मुद्दा बनी हुई है। इसलिए जरूरी है कि व्यक्तिगत पसंद के मुताबिक जीने की इच्छा रखने वाली लड़कियां न केवल प्रेम के सही मायने समझें, बल्कि अपने भविष्य और सुरक्षा के बारे में भी सोचें, अन्यथा कभी-कभी अपने ही निर्णय भारी पड़ जाते हैं।

महिला का मनोबल

इसके चलते महिला सैनिकों को खासकर युद्धक विमान उड़ाने का अवसर मिला और अब वे ऐसा कर पा रही हैं। इसी क्रम में बत्तीस सेवानिवृत्त अल्पावधि सेवा यानी शार्ट सर्विस कमीशन के तहत चयनित महिला अधिकारियों को पेंशन देने की सर्वोच्च न्यायालय की सिफारिश से निस्संदेह उनका मनोबल बढ़ा है। सेना में दो तरह के अधिकारियों की भर्ती होती है।

एक तो वे होते हैं, जो सेवानिवृत्ति की आयु तक सेवाएं देते हैं, दूसरे वे होते हैं, जो स्वेच्छा से अल्पावधि के लिए सेना में सेवा देने के लिए जाते हैं। अल्पावधि के लिए चयन और प्रशिक्षण आदि की प्रक्रिया लगभग वही होती है, जो स्थायी सेवाओं के लिए चुने जाने वाले अधिकारियों की होती है। मगर उनके वेतन और भत्तों से संबंधित नियम अलग होते हैं।

हालांकि अल्पावधि के अधिकारियों को स्थायी सेवाओं में बहाली का भी प्रावधान होता है, पर इसका निर्धारण संबंधित प्राधिकार करता है। अल्पावधि सेवाओं से निवृत्त हुए अधिकारियों के लिए दूसरे सरकारी महकमों की नौकरियों में कुछ आरक्षण होता है, पर जो सेना से मुक्त होने के बाद कहीं और चयनित नहीं हो पाते या जाना ही नहीं चाहते, उनके सामने नियमित आय की समस्या पैदा हो जाती है।

खासकर महिला सेनाधिकारियों के सामने यह समस्या अधिक जटिल हो जाती है, जब वे सेवामुक्त होकर कहीं और काम नहीं करतीं या कर पातीं। ऐसे में सेना से पेंशन उनके लिए बड़ा सहारा हो सकती है। इसी संबंध में अल्पावधि सेवा की बत्तीस महिला अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय के सामने पेंशन और स्थायी सेवा में बहाली के लिए गुहार लगाई थी।

हालांकि अदालत ने उनकी बहाली का आदेश तो नहीं दिया, पर सेना के अधिकारियों और सरकार से सिफारिश अवश्य की है कि उनकी योग्यता को ध्यान में रखते हुए पेंशन बहाल की जाए। जिस मानवीय कोण से अदालत ने सिफारिश की और वायुसेना की तारीफ की, उससे उम्मीद बनी है कि इन महिला अधिकारियों के पक्ष में सकारात्मक रुख अपनाया जाएगा। दरअसल, सेना के मामले में नागरिक अदालतें कोई फैसला देने से बचती हैं। इसलिए कि सेना की अपनी अदालत ही सैनिकों और अधिकारियों से संबंधित मामलों की सुनवाई करती है। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान में प्राप्त अपनी असाधारण शक्ति का प्रयोग करते हुए इस मामले की सुनवाई की।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इस समय भारतीय सेना को योग्य अधिकारियों की बहुत जरूरत है, मगर इस आधार पर नियम के अनुसार निवृत्त हुए अधिकारियों को सेवा विस्तार नहीं दिया जा सकता। फिर भी अगर किसी अधिकारी में जज्बा है, वह योग्य भी है और अल्पावधि से स्थायी सेवा में जाना चाहता है, तो उसके प्रति कुछ लचीला रुख अपनाने में कोई हर्ज नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने इसी बिंदु की तरफ इशारा किया है। फिर महिला अधिकारियों के मामले में मानवीय दृष्टि भी अपनाई जानी चाहिए। खासकर वायु सेना के अधिकारियों को तैयार करने में खासा वक्त और पैसा खर्च होता है। अगर अल्पावधि सेवा के लिए तैयार महिला अधिकारियों को सेवा विस्तार दिया जाता है, तो इससे दोनों की बचत होगी। अगर सेवा विस्तार संभव नहीं है, तो उनके भरण-पोषण के लिए नियमानुसार पेंशन की बहाली होनी ही चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला ऐसी अल्पावधि की अन्य महिला अधिकारियों के मामले में भी नजीर साबित होगा।

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भांति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेकटीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.-1:-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।

भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।

नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।

कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।

नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।

पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।

बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें ?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महारष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ह्व और ह्वह्व, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम , भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्डे तैयार कर लेना चाहिए। गड्डों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गद्दे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए , जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद , 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है , तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फ़रवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक , तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

बीजेपी ने देश में फैला दी है नफरत और हिंसा : राहुल गांधी

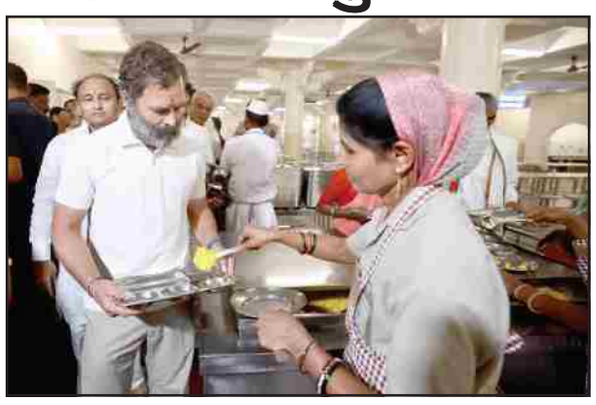

मुंबई, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों महाराष्ट्र में है। आज कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बालापुर से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की। महात्मा गांधी के प्रपौत्र और लेखक तुषार गांधी भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए। बाद में राहुल शेगांव के गजानन महाराज मंदिर भी गए।

राहुल गांधी आज महाराष्ट्र के शेगांव में गजानन महाराज मंदिर पहुंचे और प्रार्थना की। शेगांव में एक कार्यक्रम में राहुल ने कहा कि विपक्ष के लोगों ने सवाल पूछा था कि यात्रा का क्या फायदा। देश के कोने-कोने में आज भाजपा ने नफरत और हिंसा फैला दी है, डर फैला दिया है, इस यात्रा का लक्ष्य जनता की आवाज को सुनना है।

पदयात्रा के दौरान राहुल गांधी ने सुबह-सुबह सड़क के दोनों ओर एकत्र भीड़ का अभिवादन किया और उनके साथ बातचीत भी की। भारत जोड़ो यात्रा ने सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश किया था। यह यात्रा सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी। इसके तहत अभी तक महाराष्ट्र के नांदेड़, हिंगोली, वाशिम और अकोला जिलों की पदयात्रा की जा चुकी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नौकरियों के मुद्दे पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न सरकारी विभागों में 30 लाख पद खाली हैं, लेकिन पीएम मोदी ने सिर्फ 75,000 नियुक्ति पत्र बांटे। उनका हमला एक मीडिया रिपोर्ट पर आया, जिसमें दावा किया गया था कि केंद्रीय सचिवालय सेवाओं में 1,600 पद खाली हैं। खरगे ने एक ट्वीट में कहा कि पीएम मोदी ने प्रति वर्ष 2 करोड़ नौकरियों का वादा किया था। 8 वर्षों में 16 करोड़ नौकरियां पैदा होनी चाहिए थीं। विभिन्न सरकारी विभागों में 30 लाख से अधिक पद खाली हैं, लेकिन पीएम मोदी ने सिर्फ 75,000 आवेदन वितरित किए।

श्रीराम का सौदा करती है बीजेपी : स्वामी मौर्य

मैनपुरी, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। मैनपुरी लोकसभा सीट से सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के लिए समाजवादी पार्टी ने चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने करहल क्षेत्र में सभा की। उनके साथ पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा और भगवान श्रीराम को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिस पर विवाद खड़ा हो सकता है।

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा राम का सौदा करती है। जो भाजपा राम का सौदा कर सकती है, वो आपको भी बेच सकती है। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति योगी और मोदी की संपत्ति नहीं है। भाजपा सरकार ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह कार्य कर रही है। ईस्ट इंडिया कंपनी भारत से खजाना लूट कर इंग्लैंड भेज रही थी। उसी तरह योगी और मोदी देश की संपत्ति को अदाणी और अंबानी के हाथों में दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सपा शासन में जितना विकास हुआ। उतना भाजपा कभी नहीं कर सकती। भाजपा केवल नफरत की राजनीति करती है। एक विशेष कौम का हवाला देकर लोगों में दहशत का माहौल बनाती है। विकास की बात करने की बजाय दूसरे पर हमला बोलना भाजपा की आदत है। सपा से निकले लोगों पर ही भाजपा अब दांव लगा रही है। लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ऐतिहासिक जीत हासिल करेगी।

मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव हो रहा है। इसके लिए कुल 13 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं। 10 से लेकर 17 नवंबर तक कुल आठ दिन लोकसभा उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया चली। सपा प्रत्याशी डिंपल यादव, भाजपा प्रत्याशी रघुराज सिंह शाक्य और भारतीय कृषक दल प्रत्याशी प्रमोद यादव समेत 13 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। शुक्रवार को नामांकन पत्र की जांच की गई।

पीएम मोदी आज करेंगे डोनी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन

गुवाहाटी, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे डोनी पोलो का उद्घाटन करेंगे। इस हवाई अड्डे को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा केंद्र और राज्य सरकार की मदद से 640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है।

शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल बी.डी. मिश्रा ने ईटानगर के पास बने इस हवाई अड्डे का निरीक्षण किया। ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा हर मौसम में संचालन के लिए उपयुक्त है। हवाई अड्डे पर आईएलएस स्थापित किया है, जिसमें एक लोकलाइज़र, एक ग्लाइडपथ और दूरी मापने के उपकरण शामिल हैं। इससे हर मौसम में हवाई अड्डे पर परिचालन करने में मदद मिलेगी।

हवाई अड्डे का नाम अरुणाचल प्रदेश की परंपराओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सूर्य (डोनी) और चंद्रमा (पोलो) के प्रति इसकी सदियों पुरानी स्वदेशी श्रद्धा को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि यह हवाई अड्डा 4,100 वर्ग मीटर में फैला हुआ है और सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। केंद्र सरकार ने जनवरी 2019 में हवाई अड्डे के विकास के लिए अपनी मंजूरी दी थी।

एनआईए ने कहा- नवलखा मामले में सुप्रीम कोर्ट को किया गया गुमराह; अदालत ने पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कोरेगांव-भीमा मामले के एक आरोपी कार्यकर्ता गौतम नवलखा को नजरबंद करने की अनुमति देने के मामले में कहा कि सुप्रीम कोर्ट को जानबूझकर गुमराह किया गया। तीखी प्रतिक्रिया के साथ सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश को वापस लेने से इनकार कर दिया और कहा कि नजरबंदी के दौरान कुछ सुरक्षा उपायों की आवश्यकता होती है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के एक हफ्ते बाद भी 70 वर्षीय गौतम नवलखा को अब तक जेल से बाहर नहीं निकाला गया है। एनआईए का केस रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने नवलखा की टीम द्वारा चुने गए स्थान की सुरक्षा के बारे में चिंता जताई और अदालत से हाउस अरेस्ट के फैसले को रद्द करने का आग्रह किया।

आपत्तियों पर सुप्रीम कोर्ट ने तीखी प्रतिक्रिया दी। अदालत ने कहा, क्या सॉलिसिटर जनरल मेहता और एएसजी (अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू) यहां यह कहने के लिए हैं कि पुलिस 70 वर्षीय बीमार व्यक्ति पर नजर नहीं रख सकती है? जब एनआईए ने सोमवार तक का समय मांगा तो न्यायमूर्ति केएम जोसेफ ने कहा, आपको लगता है कि हम मामले में देरी करने की कोशिशें नहीं देख सकते हैं? किसलिए हम सोमवार तक मामला टाल दें? हम एक आदेश पारित कर रहे हैं। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि नवलखा के आतंकवादियों से संबंध हैं, इस पर न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय ने कहा, तो आप कहते हैं कि आप निगरानी नहीं कर सकते हैं, तो हम करेंगे। जब एसजी और एएसजी यहां खड़े होकर कह रहे हैं कि 70 वर्षीय बीमार व्यक्ति को कारावास में नहीं रखा जा सकता है। क्या राज्य देखभाल करने में अक्षम है? आप देखभाल नहीं कर सकते हैं तो चलिए हम देखभाल करते हैं।

नवलखा अप्रैल 2020 से महाराष्ट्र के कोरेगांव-भीमा में 1 जनवरी को एल्गार परिषद सम्मेलन में कथित भड़काऊ भाषण देने के एक दिन बाद हुई हिंसा से संबंधित एक मामले में जेल में हैं। पुणे पुलिस ने दावा किया था कि सम्मेलन को माओवादियों का समर्थन था। पिछले हफ्ते स्वास्थ्य आधार पर नवलखा के अनुरोध का जवाब देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक महीने के लिए हाउस अरेस्ट की अनुमति दी और कहा कि आदेश को 48 घंटों के भीतर लागू किया जाना चाहिए। लेकिन उनकी रिहाई में देरी हुई है। उनके वकील ने आरोप लगाया कि एनआईए अपने पैर खींच रही है।

एनआईए ने कहा कि कार्यकर्ता की मेडिकल स्थिति का तर्क एक दिखावा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत में कहा कि हमने पिछले आदेश को रद्द करने के लिए एक आवेदन दिया है। तथ्य वास्तव में परेशान करने वाले हैं। सभी ने यह अनुमान लगाया कि गौतम नवलखा स्वस्थ नहीं हैं। उन्होंने तीन अस्पतालों में जाने से इनकार कर दिया। हर बार स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, कुछ मामलों में उन्होंने खुद अस्पताल जाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि क्या सरकार अपने हाउस अरेस्ट ऑर्डर की समीक्षा चाहती है।

मेहता ने कहा, मैं भारी मन से इस कर्तव्य का निर्वहन कर रहा हूं। यहां कई कैदी हैं, समान उम्र और समान बीमारियां, लेकिन उनके पास घर में नजरबंद होने जैसी कोई सुविधा नहीं है। आपके आधिपत्य को जानबूझकर गुमराह किया गया। आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने तर्क दिया कि हाउस अरेस्ट के लिए जो जगह बताई गई थी, वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का कार्यालय है। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ ने कहा कि भाकपा भारत की मान्यता प्राप्त पार्टी है। दिक्कत क्या है। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि अगर इससे आपको झटका नहीं लगता है तो मैं क्या कह सकता हूं। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- नहीं, यह हमें झटका नहीं देता है।

प्रधानमंत्री ने विक्रम सबऑर्बिटल के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो, इन-स्पेस को बधाई दी

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित भारत के पहले निजी रॉकेट विक्रम-सबऑर्बिटल के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और इन-स्पेस को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा: भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित रॉकेट विक्रम-एस ने आज श्रीहरिकोटा से उड़ान भरी! यह भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस उपलब्धि को सक्षम करने के लिए इसरो और इन-स्पेस को बधाई।

एक दूसरे ट्वीट में पीएम ने कहा- यह उपलब्धि हमारे युवाओं की अपार प्रतिभा की गवाही देती है, जिन्होंने जून 2020 के ऐतिहासिक अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों का पूरा लाभ उठाया।

स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा मिशन 'प्रारंभ' के तहत, इसरो ने विक्रम-एस लॉन्च किया। विक्रम-एस रॉकेट को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया। इसमें दो भारतीय और एक विदेशी ग्राहक के पेलोड थे। पेलोड में शामिल थे- चेन्नई स्थित स्टार्ट-अप स्पेसकिड्ज, आंध्र प्रदेश स्थित एन-स्पेसटेक और अर्मेनियाई बाजूमक्यू स्पेस रिसर्च लैब।

चेन्नई स्थित एयरोस्पेस स्टार्टअप स्पेसकिड्ज ने विक्रम-एस पर उप-कक्षीय उड़ान पर भारत, अमेरिका, सिंगापुर और इंडोनेशिया के छात्रों द्वारा विकसित 2.5 किलोग्राम पेलोड उड़ाया। 545 किलो के विक्रम प्रक्षेपण यान में विक्रम 2 और विक्रम 3 श्रृंखला शामिल हैं।

बांग्लादेश के गृह मंत्री से मिले अमित शाह, अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हमलों का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष असदुज्जमां खान से मुलाकात की। इस दौरान शाह ने पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर हमलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने बांग्लादेशी मंत्री के साथ सीमा प्रबंधन और सामान्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

आधिकारिक सूत्रों के ने बताया कि शाह ने खान के साथ बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर हमलों का मुद्दा उठाया। गृह मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन के मौके पर बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुज्जमां कान से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने सीमा प्रबंधन और सामान्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा की है।

खान यहां गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित मंत्रिस्तरीय तीसरे 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन में हिस्सा लेने आए हैं। यह दो दिवसीय सम्मेलन है। शुक्रवार को इस सम्मेलन में 75 से ज्यादा देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 450 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

इससे पहले शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा है, लेकिन आतंक के लिए वित्त पोषण (टेरर फाइनेंसिंग) उससे भी ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए आतंकवादी डार्कनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे क्रिप्टोकरंसी के उपयोग में वृद्धि देखी गई है। शाह ने कहा कि डार्कटनेट पैटर्न का समाधान ढूंढने की आवश्यकता है।

शाह ने आगे कहा, सुरक्षा ढांचे और वित्तीय व्यवस्था में प्रगति के बावजूद आतंकवादी युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आर्थिक संसाधन जुटाने के नए तरीके ढूंढ रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, हमारा मानना है कि आतंकवाद के खतरे को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता या समूह से जोड़कर नहीं देखा जा सकता है और न ही जोड़ा जाना चाहिए। आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए हमने सुरक्षा ढांचे और कानूनी व वित्तीय प्रणालियों को मजबूत करने में अहम प्रगति की है।

इसके बावजूद आतंकवादी, हिंसा करने व युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लगातार नए तरीके खोज रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, आतंकवादी कट्टरपंथी सामग्री को फैलाने और अपनी पहचान को छिपाने के लिए डार्कनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके अलावा क्रिप्टोकरंसी जैसी आभासी संपत्ति के इस्तेमाल में वृद्धि हुई है। जरूरी है कि इन डार्कनेट गतिविधियों के पैटर्न को समझा जाए और उसका समाधान ढूंढा जाए।

शाह ने कहा कि हमारे सामने आभासी संपत्ति एक नई चुनौती है। आतंकवादियों द्वारा वित्तीय लेनदेन के लिए के नए तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। आभासी संपत्ति के चैनलों, फंडिंग के ढांचों और डार्कनेट के इस्तेमाल पर नकेल कसने के लिए हमें सुसंगत रूप से काम करने की आवश्यकता है।

सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री ने उन देशों का नाम लिए बगैर निशाना साधा, जो आतंकवाद से लड़के के सामूहिक संकल्प में बाधा डालना चाहते हैं। शाह ने कहा, दुर्भाग्य से ऐसे देश हैं जो आतंकवाद से लड़ने के हमारे सामूहिक संकल्प को कमजोर करना चाहते हैं, बाधा डालना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हमने देखा है कि कुछ देश आतंकियों की रक्षा करते हैं और उन्हें शरण देते हैं, एक आतंकवादी की रक्षा करना आतंकवाद को बढ़ावा देने के बराबर है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी होगी कि इस तरह के तत्व कभी अपने मंसूबों में कामयाब न हों।

आरएसएस का एजेंडा नहीं चला रहा हूं, साबित करो तो दे दूंगा इस्तीफा : राज्यपाल आरिफ खान

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। अपने ऊपर आरएसएस के एजेंडा को आगे बढ़ाने जैसे आरोप लगने के बाद केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एक बार फिर से भड़क गए हैं। उन्होंने करारा जवाब देते हुए कहा कि मैं आरएसएस का एजेंडा नहीं चला रहा हूं, अगर कोई इस आरोप को साबित कर दे तो मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा। राज्यपाल ने कहा कि पिछले तीन साल से आप कह रहे हैं कि मैं आरएसएस के एजेंडे को लागू कर रहा हूं। मुझे एक नाम दो, सिर्फ एक उदाहरण दो जहां मैंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को नियुक्त किया है जो राजनीतिक रूप से आपको परेशान करता हो। आरएसएस, भाजपा के एक व्यक्ति का नाम दें जिसे मैंने अपने अधिकार का उपयोग करते हुए नियुक्त किया है। मैं तुरंत इस्तीफा दे दूंगा।

राज्यपाल खान ने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री ने कहा कि यूपी में पैदा हुए व्यक्ति को केरल की शिक्षा प्रणाली की समझ कैसे हो सकती है? वह प्रांतवाद और क्षेत्रीयता की आग को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। वह भारत की एकता को चुनौती दे रहे हैं । उन्होंने यह भी कहा कि अगर केरल का कोई व्यक्ति प्रांतवाद की आग को भड़काने की कोशिश करता है, तो यह राज्य के बाहर काम करने वाले केरलवासियों को कैसे प्रभावित करेगा? मंत्री के अभी भी पद पर बने रहने के बारे में राज्यपाल ने कहा कि मेरे पास उन्हें हटाने की शक्ति नहीं है क्योंकि यह मुख्यमंत्री की पसंद है लेकिन मैं कम से कम केरल के लोगों को बता दूंगा। मुझे इतना करना चाहिए। अपने कर्तव्य का निर्वहन करने का आदेश, शपथ जो मैंने केरल के लोगों के हितों की सेवा के लिए ली है।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार के बीच चल रही खींचतान के बीच, वाम दलों ने मंगलवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में राजभवन तक एक विरोध मार्च निकाला। इस दौरान माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा था कि ऐसी स्थिति है जहां राज्यपाल के पद को राज्य सरकारों के खिलाफ खड़ा किया जाता है।शिक्षा को नियंत्रित करने का यह मामला इस धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक भारत को एक फासीवादी हिंदुत्व राष्ट्र में बदलने के लिए लाया गया है। इसके जरिए भाजपा-आरएसएस के एजेंडे को बढ़ाने की कोशिश हो रही है। यह ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगा। इसके लिए उन्हें शिक्षा और हमारे युवाओं की चेतना को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

दरअसल, केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के विपरीत सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के मद्देनजर राज्य के नौ विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर से 24 अक्तूबर तक इस्तीफा देने को कहा था। राज्यपाल के इस आदेश के बाद केरल सरकार ने राजभवन के बाहर प्रदर्शन करने की धमकी दी थी। जिसके बाद राज्यपाल और भड़क गए।

राज्यपाल ने जिन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को इस्तीफा देने के लिए कहा था उनमें केरल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ वी.पी. महादेवन पिल्लई, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ साबू थॉमस, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) कुलपति डॉ के.एन. मधुसूदन, मत्स्यपालन एवं समुद्र विज्ञान अध्ययन (केयूएफओएस) विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ के. रिजी जॉन, कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गोपीनाथ रवींद्रन। एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ एम.एस. राजश्री, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एम.वी. नारायणन, कालीकट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एम.के. जयराज, थुंचथेझुथाचन मलयालम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ वी. अनिल कुमार शामिल हैं।

केंद्र व बंगाल सरकार के बीच 'इंद्रधनुषी सेतु' बनेंगे नए राज्यपाल, बोले- मसलों का हल निकालेंगे

कोलकाता, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस का मानना है कि केंद्र व राज्य सरकार के बीच गवर्नर का काम एक 'इंद्रधनुषी सेतु' की तरह होता है। उन्होंने कहा कि वे बंगाल सरकार व राजभवन के बीच सभी विवादित मसलों का सही समाधान निकालेंगे।

बोस को गुरुवार को पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उनका कहना है कि राजभवन व राज्य सरकार के बीच मतभेदों को टकराव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि ये मतभिन्नता है। दोनों एक दूसरे की पूरक संस्थाएं हैं। 'इंद्रधनुषी सेतु' से आशय केंद्र व राज्य के बीच सुंदर सुखद रिश्तों से माना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि वे विवादों को हल करना पसंद करते हैं। जहां भी कोई समस्या है, वहां उसका समाधान भी होता है। हमें सही समाधान पर जाना चाहिए। हमें विवाद से संबंधित सभी पक्षों को एक साथ लाना चाहिए। संविधान क्या उम्मीद करता है, वह कहता है कि राज्यपाल को रास्ता पता होना चाहिए, उसे रास्ता दिखाना चाहिए और उस रास्ते पर चलना चाहिए।' पीटीआई से टेलीफोन पर साक्षात्कार में डॉ. बोस ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता इसे कोई आराम का पद नहीं बनाना चाहते थे। उनका जरूर कोई मकसद था। राज्यपाल के उद्देश्य को संविधान में स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल को राज्य और केंद्र के बीच एक 'इंद्रधनुषी पुल' के रूप में कार्य करना है। राज्यपाल की भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि सरकार संविधान के ढांचे के भीतर कार्य करे। लोगों को राहत पहुंचाने के लिए लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को सभी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। जहां तक इसकी अवधारणा का संबंध है, इसमें कोई संघर्ष नहीं दिखता है।

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी बोस ने देश में गैर-भाजपा दलों के नेतृत्व वाली विभिन्न राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच बढ़ती तकरार को लेकर सवाल के जवाब में डॉ. बोस ने कहा कि ये वैचारिक मतभेद हैं। इसे संघर्ष या टकराव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

बता दें, डॉ. सीवी आनंद बोस से पूर्व मौजूदा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बंगाल के राज्यपाल थे। उनका राज्य में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी सरकार के साथ कई मुद्दों पर लंबा टकराव चला था। जुलाई 2019 में धनखड़ के राज्यपाल बनने के बाद से ममता सरकार के साथ उनका कानून व्यवस्था समेत कई मसलों पर तकरार था।

डॉ. सीवी आनंद बोस भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी हैं। वर्तमान में वे मेघालय सरकार में सलाहकार हैं। वे लोक सेवक, आवास विशेषज्ञ, लेखक और वक्ता भी हैं। वे विश्वविद्यालय के कुलपति से लेकर भारत सरकार के सचिव, मुख्य सचिव का पद भी संभाल चुके हैं। इसके अलावा वे हैबिटेट अलायंस के अध्यक्ष भी हैं और यूएन हैबिटेट गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं।

बोस ने शिक्षा, वन और पर्यावरण, श्रम और सामान्य प्रशासन जैसे विभिन्न मंत्रालयों में जिला कलेक्टर और प्रधान सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में काम किया है। उन्होंने सस्ते आवास, सुशासन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि, शिक्षा और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में कई संस्थानों की स्थापना की है। बोस ने जिनेवा में यूरोपियन काउंसिल फॉर न्यूक्लियर रिसर्च (सीईआरएन) और फ्रांस में इंटरनेशनल फ्यूजन एनर्जी ऑर्गनाइजेशन (आईटीईआर) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। वह परमाणु उर्जा शिक्षा सोसायटी के भी अध्यक्ष रहे हैं। बोस इसके अलावा पद्मनाभस्वामी मंदिर खजाने पर सुप्रीम कोर्ट की समिति के प्रमुख थे।

वहीं लेखन की बात करें तो बोस ने उपन्यास, लघु कथाएं, कविताएं और निबंध समेत अंग्रेजी, हिन्दी और मलयालम में 32 पुस्तकें भी प्रकाशित की हैं।

भारत बनाम न्यूजीलैंड : रद्द हुआ भारत-न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मैच, नहीं फेंकी गई एक भी बॉल

वेलिंगटन (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच रद्द हो गया है। वेलिंगटन में खेले जाने वाले इस टी-20 मुकाबले में एक भी बॉल नहीं फेंका गया। यह मैच पूरी तरीके से बारिश के भेंट चढ़ गया। दूसरा टी20 मुकाबला 20 नवंबर को खेला जाएगा। यह मैच भी भारतीय समयानुसार दोपहर 12:00 बजे ही शुरू होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह पहला मौका है, जब न्यूजीलैंड में खेले जा रहे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को बारिश की वजह से रद्द किया गया है। वेलिंगटन में आज लगातार बारिश होती रही जिसकी वजह से करीब पौने 2 घंटे तक का इंतजार भी किया गया। लेकिन बारिश नहीं रुकी। इसके बाद मैच को रद्द कर दिया गया। मैदान में ड्रेनेज सिस्टम भी ठीक नहीं है। ऐसे में इसे सुखाना भी आसान नहीं होता।

आपको बता दें कि आज के मुकाबले में टीम इंडिया ने तेवर और नए कलेवर में दिखाई देती। टी20 विश्वकप में मिली कड़वी याद के बाद टीम खुद को इससे उबरने की कोशिश कर रही है। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व में युवा ब्रिग्रेड आज मैदान पर होती। इस श्रृंखला के लिए बीवीएस लक्ष्मण को हेड कोच बनाया गया है। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। आपको बता दें कि दोनों टीमें हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल चरण से बाहर होने के बाद इस श्रृंखला से नयी शुरुआत करेंगी। विश्व कप में भारत को चैम्पियन इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। भारत का इस तरह आईसीसी ट्रॉफी जीतने का नौ साल का इंतजार जारी रहा। अगला टी20 विश्व कप अभी दो साल दूर है और ऐसे में भारत के पास खिलाड़ियों की पहचान करने और इंग्लैंड द्वारा अपनाए गए किसी भी कीमत पर आक्रमण करने के रवैये के साथ उन्हें निखारने के लिए पर्याप्त समय है। अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप को देखते हुए अब ध्यान एकदिवसीय प्रारूप पर अधिक रहेगा लेकिन भारत यहां होने वाले तीन और फिर अपनी मेजबानी में होने वाले विश्व कप तक नौ और टी20 मुकाबलों का पूरा फायदा उठाना चाहेगा। भारत न्यूजीलैंड में दूसरे दर्जे की टीम उतार रहा है लेकिन इसके बावजूद टीम के सदस्यों के पास ठीक-ठाक अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। चार साल पहले न्यूजीलैंड में हुए अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरने वाले गिल को यहां टी20 प्रारूप में पदार्पण करने की उम्मीद है।

मनिका ने विश्व में सातवें नंबर की चीनी खिलाड़ी को हराया, साथियान बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने गुरुवार को यहां आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई कप के राउंड ऑफ 16 में दुनिया की सातवें नंबर की चीन खिलाड़ी चेन जिंगटोंग को हराकर उलटफेर किया लेकिन जी साथियान पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में हार गए। प्रतियोगिता के पहले दिन राउंड ऑफ 16 मैच में विश्व की 44वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 4-3 से हराया। मनिका को थाईलैंड के दर्शकों का पूरा समर्थन मिल रहा था और इस भारतीय खिलाड़ी ने भी उन्हें निराश नहीं किया। उन्होंने चीनी खिलाड़ी को रोमांचक मुकाबले में 8-11, 11-9, 11-6, 11-6, 9-11, 8-11, 11-9 से पराजित किया। उन्होंने अपार समर्थन के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया। मनिका ने मैच के बाद कहा,'' इस जीत से मुझे बहुत खुशी मिली क्योंकि मैंने विश्व में सातवें नंबर की खिलाड़ी को हराया है। मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना जारी रखूंगी जैसे कि पहले भी किया करती थी। मैं आगामी मैचों में भी इसी एकाग्रता और जज्बे के साथ खेलूंगी।'' मनिका शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में ताइपे की दुनिया की 23वें नंबर की खिलाड़ी चेन जू यू से भिड़ेंगी। इससे पहले विश्व में 39वें नंबर के खिलाड़ी और भारतीयों में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज जी साथियान को जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त युकिया उडा से 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। जापानी खिलाड़ी ने भले ही 11-9, 11-8, 7-11, 9-11, 11-6, 10-12, 11-6 से जीत दर्ज की लेकिन साथियान ने पहले दो गेम में पिछड़ने के बाद हिम्मत नहीं हारी और शानदार वापसी करके एक समय स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया था। साथियान को पहले दौर में हारने के बावजूद 2250 डॉलर की इनामी राशि मिलेगी।

अर्शदीप के प्रदर्शन से प्रभावित हुआ आईसीसी, दिया खास इनाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज का आयोजन हो रहा है, जिसका पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया है। इसी बीच आईसीसी ने नई रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारतीय युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप चमके है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण वर्ल्डकप के दौरान सभी का दिल जीतने में सफलता हासिल की थी। अर्शदीप ने भारतीय टीम के लिए अपनी जरुरत को भी पूरी तरह साबित किया है।टी20 वर्ल्ड कप के दौरान अर्शदीप सिंह ने अपने दमदार प्रदर्शन के कारण सभी का ध्यान आकर्षित किया था। इस टूर्नामेंट में अर्शदीप ने कुल 10 विकेट झटके थे। उन्होंने इस दौरान 7.80 रन प्रति ओवर की गति से रन दिए थे। वहीं अब गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने में सक्षम अर्शदीप को इस शानदार प्रदर्शन करने के लिए खुद आईसीसी ने भी इनाम दिया है। आईसीसी रैंकिंग में सुधार करते हुए अर्शदीप अब 22वें पायदान पर पहुंच गए है। इससे पहले अर्शदीप 54वें पायदान पर थे। उन्हें टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन के लिए 32 स्थानों का लाभ हुआ है। इसी के साथ अर्शदीप ने अपनी पर्फार्मेंस के दम पर खुद को सबसे सफल गेंदबाज साबित किया है। इसके अलावा टी20 विश्व विजेता टीम के ऑलराउंडर सैम करन और अन्य खिलाड़ियों को भी फायदा मिला है।

इस खिलाड़ी को हुआ लाभ: आईसीसी की ताजा रैंकिंग के मुताबिक इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज एलेक्स हेल्स टी20 विश्व कप के बाद सबसे अधिक फायदा हुआ है। विश्व कप से पहले जहां वो टॉप 100 से भी बाहर थे, वहीं अब वो 12वें पायदान पर आ गए है। उन्हें आईसीसी रैंकिंग में 94 स्थान का लाभ हुआ है। अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों में पाकिस्तानी तेज गेंदबाज नसीम शाह 79 स्थान ऊपर उठे है। उन्हें आईसीसी रैंकिंग में 30वां स्थान मिला है।

अर्शदीप की हुई थी वसीम अकरम से तुलना: हाल ही में अर्शदीप सिंह की पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम से तुलना हुई थी। इस तुलना को लेकर साउथ अफ्रीका के पूर्व स्टार क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने अर्शदीप का बचाव किया था।

न्यूजीलैंड दौरा नये खिलाड़ियों के लिये भूमिका में स्पष्टता और मौका देने के बारे: हार्दिक

वेलिंगटन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप की निराशा को पीछे छोड़ते हुए भारतीय कार्यवाहक कप्तान हार्दिक पंड्या ने शुक्रवार को यहां कहा कि न्यूजीलैंड के सीमित ओवर के मौजूदा दौरे का मकसद नये खिलाड़ियों की भूमिका में स्पष्टता और उन्हें मौका प्रदान करना है। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की जगह हार्दिक तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में टीम की अगुआई कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि भारतीय टीम पिछले नतीजों के बारे में सोचने में भरोसा नहीं करती। उन्होंने कहा कि ये खिलाड़ी भले ही उम्र से युवा हों लेकिन अनुभव के मामले में नहीं हैं। ये काफी आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) खेल चुके हैं और काफी अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके हैं। मुझे लगता है कि आज के युवा ज्यादा क्रिकेट नहीं खेलने से घबराते नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि अगर हालात की मांग होती है तो मैं और काफी अनुभवी खिलाड़ी विभिन्न भूमिकायें निभायेंगे लेकिन यह दौरा नये खिलाड़ियों के लिये और अधिक स्पष्टता, मौके और खुद को अभिव्यक्त करने का मौका देने के लिये है। हार्दिक ने कहा कि विश्व कप हो चुका है, मैंने इसे पीछे छोड़ दिया है। निराशा रहेगी लेकिन हम पीछे जाकर चीजें नहीं बदल सकते। हम अब आगे के बारे में, इस श्रृंखला के बारे में सोच रहे हैं। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के बाद इतने ही मैचों की वनडे श्रृंखला खेली जायेगी।

न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने कहा कि मौजूदा श्रृंखला एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ियों को परखने का अच्छा मंच है जिन्हें टी20 विश्व कप में खेलने का मौका नहीं मिला जिसमें न्यूजीलैंड और भारत दोनों ही टीमें सेमीफाइनल चरण में बाहर हो गयी थीं। भारत को सेमीफाइनल में विजेता बनी इंग्लैंड से जबकि न्यूजीलैंड को पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। विलियमसन ने कहा कि यह बेहतर होने की बात है, विशेषकर नॉकआउट मैचों में। एडम मिल्ने जैसे खिलाड़ी टी20 विश्व कप टीम में भी थे लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला इसलिये यह उन्हें कुछ मैच का समय देने का अच्छा समय है। उन्होंने कहा कि हम नयी शुरूआत करेंगे, यह नयी श्रृंखला है,

दोनों टीमें आगे के बारे में सोच रही हैं। दोनों टीमें फाइनल तक पहुंचना चाहती थीं लेकिन हमें इस श्रृंखला के लिये तैयार करने के लिये एक हफ्ते का आराम मिला।

नियमित खिलाड़ियों के बिना यहां खेलने आयी भारतीय टीम के बारे में पूछने पर विलियमसन ने कहा कि मुझे कोई संदेह नहीं है कि ये सभी भारत के बड़े खिलाड़ी होंगे, मैंने इन सभी को आईपीएल में देखा है। ये काफी प्रतिभाशाली हैं। विलियमसन ने कहा कि भारत के खिलाफ आगामी तीन मैचों की श्रृंखला उनकी टीम के युवा खिलाड़ियों के लिये चयनकर्ताओं को प्रभावित करने और अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में दावा ठोकने का अच्छा मौका प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ज्यादातर टीमें बड़े टूर्नामेंट के लिये तैयारी करती हैं जो ज्यादा दूर नहीं है और वनडे प्रारूप युवाओं के लिये अच्छा मौका होगा।

विलियमसन ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि खिलाड़ियों के पास चमकने के लिये काफी मौके होंगे। हमें देखना होगा कि हमें खेलने के लिये किस तरह की पिच मिलती है जिसके मुताबिक हमें ढलना होगा। श्रृंखला का दूसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जायेगा।

फीफा विश्व कप 2022 के दौरान स्टेडियम में नहीं बिकेगी 'अल्कोहल' बीयर

दोहा। विश्व कप के आयोजक फुटबॉल टूर्नामेंट के लिये इस्तेमाल होने वाले आठ स्टेडियमों में 'अल्कोहल' (नशे वाली) वाली हर तरह की बीयर की बिक्री पर प्रतिबंध लगायेंगे। इस फैसले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने इसके बारे में बताया। यह फैसला कतर में फुटबॉल मुकाबले शुरू होने से दो दिन पहले ही आया है। इस व्यक्ति ने कहा कि हालांकि 'नॉन अल्कोहल' (बिना नशे वाली) बीयर 64 मैचों में प्रशंसकों के लिये उपलब्ध होगी। इस व्यक्ति ने गोपनीयता की शर्त पर यह जानकारी दी क्योंकि आयोजकों ने अभी तक फैसले की घोषणा नहीं की है। बुडवेजर की मूल कंपनी 'एबी इनबेव' प्रत्येक विश्व कप में बीयर बेचने के 'एक्सक्लूसिव' अधिकारों के लिये करोड़ों डॉलर का भुगतान करती है। कंपनी की फीफा से यह साझेदारी 1986 टूर्नामेंट से शुरू हुई थी। जब कतर ने विश्व कप की मेजबानी की बोली प्रक्रिया शुरू की थी तो देश ने फीफा के व्यावसायिक भागीदारों का सम्मान करने पर सहमति जतायी थी और ऐसा 2010 में मत जीतने के बाद अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय भी किया था। ब्राजील में 2014 विश्व कप में मेजबान देश को शराब की बिक्री की अनुमति के लिये एक नियम में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा था।

रघुनाथ ने भारत को पुरुष हॉकी विश्व कप खिताब का प्रबल दावेदार बताया

नई दिल्ली। पूर्व खिलाड़ी वीआर रघुनाथ को लगता है कि 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले आगामी एफआईएच पुरूष हॉकी विश्व कप में मेजबान भारत पोडियम स्थान हासिल करने का प्रबल दावेदार है। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रह चुके रघुनाथ ने कहा, ''हम निश्चित रूप से एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरूष विश्व कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला में पदक के दावेदार हैं। हमें घरेलू मैदान और घरेलू प्रशंसकों का लाभ मिलेगा और हमें निश्चित रूप से इसका फायदा उठाना चाहिए।'' भारत ने 41 साल का इंतजार खत्म करते हुए पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था और पूर्व ड्रैग फ्लिकर ने कहा कि इस टूर्नामेंट में पोडियम स्थान देश में खेल के लिये यादगार लम्हा होगा। भारत ने अभी तक विश्व कप में तीन पदक जीते हैं जिसमें देश 1971 में शुरूआती चरण में तीसरे स्थान पर रहा था जिसके बाद टीम ने 1973 में रजत पदक और 1975 कुआलालम्पुर में स्वर्ण पदक जीता था। रघुनाथ ने कहा, ''हाल में हमें तोक्यो ओलंपिक में भी पदक मिला और इस टूर्नामेंट (विश्व कप) में पदक जीतना भी शानदार होगा। अगर वे ऐसा कर सकते हैं तो खिलाड़ियों के लिये वास्तव में यह यादगार लम्हा होगा।'' भारत के अलावा रघुनाथ विश्व खिताब के लिये आस्ट्रेलिया और मौजूदा चैम्पियन बेल्जियम को भी दावेदार मानते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बेल्जियम और आस्ट्रेलिया दो टीमें होंगी जिन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही एकदिवसीय में इंग्लैंड को छह विकेट से हराया

एश्टन की फील्डिंग को देख हैरान हुए लोग

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां हुए पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को छह विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। इंग्लैंड की ओर से डेविड मलान ने शानदार शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। मलान ने 128 गेंदों में 134 रन बनाये जिससे इंग्लैंड ने 50 ओवरों में नौ विकेट पर 287 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 288 रनों के लक्ष्य को डेविड वॉर्नर के 86 रन), ट्रेविस हेड के 69 रन और स्टीव स्मिथ के 80 नाबाद रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आसानी से हासिल कर लिया। मेजबान टीम ने यह मुकाबला 46.5 ओवर में ही छह विकेट से जीत लिया। इस मैच में मलान के शतक से ज्यादा चर्चा एश्टन एगर की शानदार फील्डिंग की हुई। 45वें ओवर की अंतिम गेंद पर मलान ने पैट कमिंस की गेंद पर हवा में शॉट लगाया और गेंद 6 रनों के लिए निकली पर डीप मिडविकेट पर एश्टन एगर ने हवा में छलांग लगाकर गेंद रोककर 5 रन बचाए। एश्टन की इस फील्डिंग को देखकर लोग हैरान रह गये।

इस मैच में मेजबान टीम के वॉर्नर और हेड की नई सलामी जोड़ी ने 88 गेंदों में शतकीय साझेदारी करके 288 रनों का लक्ष्य हासिल किया। वॉर्नर ने 44 गेंदों में अर्धशतक बनाया जबकि हेड 46 गेंदों में अर्धशतक लगाया। इस साझेदारी के टूटने के बाद हेड ने जॉर्डन की गेंद पर आउट हुए और 147 रनों की शुरुआती साझेदारी समाप्त हो गई। इससे शायद ही कोई फर्क पड़ा क्योंकि स्मिथ ने तब पारी को संभाला। विली द्वारा वॉर्नर और मार्नस लाबुशेन को लगातार ओवरों में आउट करने के बाद मेहमानों ने देर से वापसी की, लेकिन स्मिथ ने जल्दी ही उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। अनुभवी बल्लेबाज का अर्धशतक 47 गेंदों में पूरा हुआ, इससे पहले कि उन्होंने उन्हें एक चौका और एक छक्का लगाया और 19 गेंद शेष रहते हुए ऑस्ट्रेलिया को जिताने में मदद की।

लंका प्रीमियर लीग : जयसूर्या और वसीम अकरम को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सनत जयसूर्या और वसीम अकरम को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। दरअसल, 6 से 23 दिसंबर तक चलने वाली लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के तीसरे चरण के लिए 'ब्रांड दूत' बनाया गया है। सर्वकालिक विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार जयसूर्या ने श्रीलंका के लिए 20,000 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन और 440 विकेट झटके हैं जबकि अकरम ने पाकिस्तान के लिए अपने शानदार करियर में कुल 916 विकेट चटकाए हैं।

जयसूर्या ने विज्ञप्ति में कहा, ''मैं एलपीएल के तीसरे चरण में ब्रांड दूत बनकर काफी खुश हूं। यह टूर्नामेंट घरेलू क्रिकेट कैलेंडर में जुड़ना शानदार है और इससे श्रीलंका में कुछ बेहतरीन प्रतिभायें सामने आयी हैं।' उन्होंने कहा, ''इससे हमें बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभा खोजने और उन्हें तराशने के लिये आदर्श मंच मिला है जैसे हमने इस साल के शुरू के दौरान एशिया कप में देखा। एलपीएल श्रीलंका को अपनी टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम तैयार करने में मदद कर रहा है।'

वहीं 1992 वनडे विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे अकरम ने कहा कि वह टूर्नामेंट का ब्रांड दूत बनकर काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, ''इससे श्रीलंका में कुछ अच्छे खिलाड़ी देखने को मिल रहे हैं और इस साल हमने एशिया कप में इसका सबूत भी देखा जिसमें टीम ने जीत दर्ज की।' टूर्नामेंट के आगामी चरण में कुछ स्टार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी खेलेंगे जिसमें एविन लुईस, कार्लोस ब्रैथवेट, जानेमन मलान, ड्वेन प्रिटोरियस, डार्सी शॉर्ट और शोएब मलिक शामिल हैं।

मेल्टवाटर चैंपियनशिप चैस टूर - अर्जुन की पहली जीत , ममेद्यारोव को हराया

सान फ्रांसिस्को ,यूएसए। वर्ष 2022 चैम्पियन चैस टूर फाइनल के चौथे दिन भारत के ग्रांड मास्टर अर्जुन एरिगासी नें आखिरकार अपनी हार के क्रम को तोड़ते हुए पहली जीत दर्ज की । लगातार तीन हार से शुरुआत करने वाले अर्जुन नें विश्व के नंबर 14 खिलाड़ी अजरबैजान के शाखरियार ममेद्यारोव को चार रैपिड के राउंड में 3-1 से पराजित किया । दोनों के बीच हुए पहले रैपिड में बाजी ड्रॉ रही लेकिन दूसरे रैपिड में अर्जुन नें सफ़ेद मोहरो से गुन्फ़ील्ड ओपनिंग में 58 चालों में जीत दर्ज कर बढ़त बना ली ,इसके बाद तीसरा मैच ड्रॉ रहने से अर्जुन 2-1 से आगे हो गए थे और ममेद्यारोव के ऊपर चौथा मैच जीतने का दवाब था पर चौथे मुकाबले में भी अर्जुन सफ़ेद मोहरो से पिर्क ओपनिंग में जीत गए और 3-1 से दिन अपने नाम करने में सफल रहे । वहीं भारत के आर प्रज्ञानन्धा को यूएसए के वेसली सो के हाथो पराजय का सामना करना पड़ा ,वेसली नें उन्हे 2.5-1.5 से पराजित किया तो दूसरी ओर पोलैंड के यान डूडा का विजयरथ वियतनाम के लिम क्युांग ले रोक लिया और उन्हे 3-1 से पराजित कर दिया । हालाकि नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन लगातार चौथी जीत दर्ज करने में सफल रहे और उन्होने नीदरलैंड के अनीश गिरि को 3-0 से करारी हार का स्वाद चखाया ।

पुरूषों के टेनिस टूर की पुरस्कार राशि बढ़कर 2023 में 21.5 करोड़ डॉलर से ऊपर होगी

तूरिन। एटीपी टूर और एटीपी चैलेंजर टूर की कुल पुरस्कार राशि 2023 में 37.5 मिलियन (3.7 करोड़) डॉलर बढ़कर 217.9 मिलियन (21.79 करोड़) डॉलर हो जायेगी। पुरूष टेनिस सर्किट में यह पहली बार हुआ है कि इतनी बड़ी राशि एक ही सत्र में बढ़ायी गयी हो। मैड्रिड, रोम और शंघाई में आठ से 12 दिवसीय टूर्नामेंट होने से एटीपी (टेनिस पेशेवर संघ) टूर में 'ऑन-साइट' (टूर्नामेंट के दौरान) मिलने वाली पुरस्कार राशि 18.6 मिलियन (1.86 करोड़) डॉलर हो जायेगी। कनाडा में मास्टर्स 1000 और सिनसिनाटी दोनों टूर्नामेंट 2025 में 12 दिवसीय हो जायेंगे। एटीपी ने 2023 में अपने 'बोनस पूल' को भी 21.3 मिलियन (2.13 करोड़) डॉलर तक बढ़ा दिया है जो 2022 की तुलना में 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। एटीपी चैलेंजर की पुरस्कार राशि अगले सत्र में 12.1 मिलियन (1.21 करोड़) डॉलर से 21.1 मिलियन (2.11 करोड़) डॉलर तक होकर 75 प्रतिशत तक बढ़ जायेगी। एटीपी टूर ने जून में कहा था कि वह लाभ में साझेदारी का नया फॉर्मूला बना रहा है जिसके बाद खिलाड़ियों को और अधिक राशि मिलने लगेगी।

फाइनल में पहुंचने से पहले लीग स्टेज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना जरूरी : रोनाल्डो

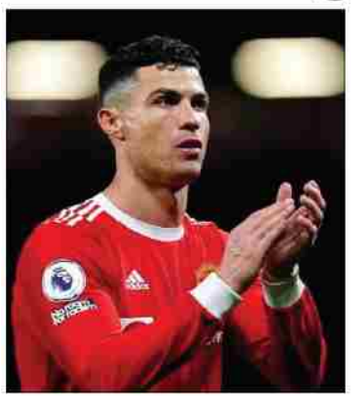

दोहा (एजेंसी)। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर और छह बार के बैलन डिओर पुरस्कार विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि फीफा विश्व कप 2022 का हर मैच एक संघर्ष है और उन्हें फाइनल में पहुंचने के लिये शुरुआती छह मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा। रोनाल्डो ने कहा, 'अगर हमें फाइनल में पहुंचना है तो हमें शुरुआती छह मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सबसे पहले हम नॉकआउट में पहुंचने का प्रयास करेंगे। हम कतर में संघर्ष करने के लिये तैयार हैं।'

उल्लेखनीय है कि वीडियो गेम कंपनी इलेक्ट्रॉनिक आर्ट्स (ईए) ने हाल ही में फीफा 2023 गेम में भविष्यवाणी की थी कि कतर में होने वाले विश्व कप 2022 का फाइनल पुर्तगाल और अर्जेंटीना में होगा, जबकि खिताबी मैच अर्जेंटीना जीतेगी। अपना पांचवां विश्व कप खेल रहे रोनाल्डो ने कहा कि उनके लिए हर मैच बराबर महत्व रखेगा। रोनाल्डो ने कहा, 'हर मैच एक संघर्ष है और आपको (टूर्नामेंट में) बने रहने के लिये मानसिक एवं शारीरिक रूप से मजबूत होना होगा।'

पुर्तगाल को 20 नवंबर को शुरू होने वाले शीर्ष टूर्नामेंट के लिये ग्रुप-एच में उरुग्वे, घाना और दक्षिण कोरिया के साथ रखा गया है। उरुग्वे ने फीफा विश्व कप 2018 में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल दौर में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। डार्विन नुनेज और फेडेरिको वाल्वरडे जैसे प्रतिभाशाली युवाओं के साथ उरुग्वे एक कड़ी चुनौती साबित होगी, हालांकि ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नार्डर सिल्वा जैसे खिलाड़ियों की उपस्थिति पुर्तगाल को आशावादी होने का कारण देगी। रोनाल्डो ने कहा, 'इन प्रतिभाशाली पुर्तगाली फुटबॉलरों के पास टीम और पुर्तगाली प्रशंसकों को देने के लिए बहुत कुछ है।'

पुर्तगाल 24 नवंबर को घाना के खिलाफ अपने विश्व कप 2022 अभियान की शुरुआत करेगा, जबकि पांच दिन बाद उरुग्वे और दो दिसंबर को दक्षिण कोरिया के साथ खेलेगा। साल 2003 में पदार्पण करने वाले रोनाल्डो ने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय ट्रॉफी 13 साल बाद फ्रांस में यूरोपीय चैंपियनशिप के रूप में जीती थी। इसके अलावा रोनाल्डो पुर्तगाल के लिये यूईएफए नेशन्स लीग 2018-19 भी जीत चुके हैं। पुर्तगाल ने हालांकि अब तक एक बार भी विश्व कप ट्रॉफी नहीं उठाई है, जबकि उन्होंने 1966 में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया था।

फीफा 2022 : चोटों के कारण अर्जेंटीनी स्ट्राइकर गोंजालेज और जोक्किन कोरिया विश्व कप से बाहर

दोहा। अर्जेंटीना के स्ट्राइकर निकोलस गोंजालेज और जोक्किन कोरिया चोटों के कारण विश्व कप से बाहर हो गये। अर्जेंटीना फुटबॉल महासंघ ने कहा कि फियोरेंटिना क्लब के लिये खेलने वाले गोंजालेज गुरूवार को ट्रेनिंग सत्र के दौरान मांसपेशियों में चोट लगा बैठे और अब उनकी जगह एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड एंजेल कोरिया लेंगे। महासंघ ने यह भी कहा कि जोक्किन कोरिया को 26 सदस्यीय टीम से एक विशेष चोट की वजह से बाहर किया गया। इंटर मिलान के इस खिलाड़ी की जगह अटलांटा यूनाईटेड के फॉरवर्ड थियागो अलमाडा को शामिल किया गया। जोक्किन कोरिया ने बुधवार को संयुक्त अरब अमीरात पर 5-0 की जीत के दौरान एक गोल दागा था।

मंत्री शर्मा ने निर्माण श्रमिकों के हित में जिम्मेदारी से कार्य करने का किया आग्रह

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । राज्य के श्रम विभाग ने आज विभागीय मंत्री लोकनाथ शर्मा की अध्यक्षता में स्टेट एडवाइजरी कमिटी और सिक्किम बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड के प्रतिभागियों के साथ दो महत्वपूर्ण बैठकें कीं। स्थानीय श्रम भवन में आयोजित हुई इन बैठकों में सिक्किम विधानसभा के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में विधायक आदित्य गोले विशेष तौर पर शामिल हुए। उनके अलावा बैठक में श्रम सचिव कर्मा नामग्याल भूटिया, पीसीई सह सड़क व सेतु सचिव टीपी सांदरपा, पीसीई सह भवन व आवास सचिव प्रवीण कुमार प्रधान, विशेष श्रम आयुक्त डीएस कुंवर, तीस्ता ऊर्जा उप प्रबंधक जिग्मी सी भूटिया, एनएचपीसी के सीनियर एचआर अभिषेक कुमार के अलावा समिति सदस्यों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

सिक्किम बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर की बैठक के दौरान मंत्री शर्मा ने श्रमिक कल्याण सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा के बाद पंजीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने और मजदूरों के कल्याण हेतु व्यापक रूप से उत्पादनोन्मुखी प्रैक्टिस सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि समिति ने श्रमिकों को कुशल बनाकर उनके रोजगार में सहायता हेतु प्रमाणपत्र प्रदान करने का निर्णय लिया है। उन्होंने सभी जिलों में बुनियादी सुविधाएं स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी बात की और मजदूरों के हित के लिए सभी सम्बंधित विभागों से सक्रिय सहयोग और हस्तक्षेप का आग्रह किया।

इसके बाद राज्य सलाहकार समिति की बैठक हुई जिसमें वित्त निदेशक लिनुस राई, राज्य सलाहकार समिति के सदस्यों के अलावा ग्रेफ 129 आरसीसी के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। इसमें निर्माण स्थलों पर श्रम कानूनों के सम्बंध में जागरूकता शिविर लगाने, वाहनों की खरीद एवं पुनर्संशोधन, कोविड राहत राशि एवं अन्य कल्याणकारी सामग्रियों के वितरण, बीओसीडब्ल्यू छात्रावास के जीर्णोद्धार, जिला श्रम कार्यालयों के मजबूतीकरण और अन्य सम्बंधित विषयों पर चर्चा की गयी। इस दौरान मंत्री शर्मा ने बोर्ड को सम्बोधित करते हुए सभी सदस्यों से मजदूरों के कल्याण हेतु अपनी जिम्मेदारियों का भली-भांति निर्वहन करने का आग्रह किया।

गुजरात में बीजेपी ने दी है दंगा मुक्त और सुशासन युक्त सरकार : अनुराग ठाकुर

सूरत, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय सूचना प्रसारण तथा खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुजरात में दंगा मुक्त और सुशासन युक्त सरकार देने की बात कहते हुए यह दावा किया है कि गुजरात में एक बार फिर से डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है और गुजरात की प्रचंड जीत के साथ ही 2024 के लोक सभा चुनावों का बिगुल भी फूंका जाएगा।

शुक्रवार को गुजरात के सूरत ज़िले की चार विधानसभा सीटों- मंगरोल, मांडवी, बारडोली और सूरत पश्चिम जनसभा को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने अपने राज में गुजरात को दंगों वाला राज्य बना दिया था। कांग्रेस के शासनकाल में साम्प्रदायिक दंगे, गैंगस्टर और गैंगवार से गुजरात की पहचान होने लगी थी जिस पहचान से गुजरात की जनता को मुक्ति दिलाने का काम भाजपा सरकार ने किया है।

ठाकुर ने कहा कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दंगा मुक्त एवं सुशासन युक्त सरकार देने का काम किया है। यह बात हमें नहीं भूलनी है कि गुजरात का विकास सिर्फ एक राज्य का विकास नहीं है। इस विकास के साथ हमारे देश का विकास भी जुड़ा है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि गुजरात मेरी आत्मा है और भारत मेरा परमात्मा।

गुजरात और पीएम मोदी के अटूट रिश्ते पर बोलते हुए ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बावजूद मोदी ने पिछले आठ सालों में कभी गुजरात से अपने रिश्ते को कमजोर नहीं पड़ने दिया। आज पूरा देश गुजरात को मोदी का गुजरात कहता है। यह गुजरात मोदी ने बनाया है। इस बात को विपक्ष की पार्टियां भी मानने को मजबूर हैं। इसलिए वे जब मोदी को बदनाम करते करते थक जाती हैं तो वे गुजरात और गुजरातियों को बदनाम करने की साजिश में लग जाती हैं।

हाल ही में राहुल गांधी द्वारा वीर सावरकर को लेकर दिए गए बयान की भत्सर्ना करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी 'टुकड़े टुकड़े गैंग' के साथ भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। वो हिंदू आतंकवाद के बारे में बातें करते है, जेएनयू में भारत को तोड़ने की साज़िश करने वालों के साथ खड़े रहे और अब वो वीर सावरकर पर सवालिया निशान लगा रहे हैं। ये कांग्रेस की दोयम दर्जे की सोच है, वो एक परिवार से आगे कुछ नहीं

देख पा रहे हैं। कांग्रेसी नहीं जानते कि गुजरात का मॉडल विकास का नंबर 1 मॉडल है। गुजरात की गली गली में भाजपा की गूँज है। कांग्रेस सिर्फ टोपियों की राजनीति करती है। विकास पर कभी बात नहीं करती है।

गुजरात में प्रचंड जीत का दावा करते हुए ठाकुर ने आगे कहा कि गुजरात के विधानसभा चुनावों में हम इतनी प्रचंड जीत लेकर आयेगें कि 2024 के लोकसभा चुनावों का बिगुल इसी जीत के साथ फूंका जायेगा। गुजरात ने देश को प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, विदेश मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, रेल मंत्री, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री और पशु पालन मंत्री दिये हैं तो ऐसे में गुजरात से भारतीय जनता पार्टी को भारी जीत मिलनी चाहिए ताकि पूरे देश में संदेश जाये कि आखिर डबल इंजन सरकार की ताकत क्या होती है?

प्रदेश भाजपा को नवनिर्वाचित पंचायतों से राज्य की बेहतरी हेतु कार्य करने की उम्मीद

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । सिक्किम प्रदेश भाजपा ने हाल ही सम्पन्न हुए राज्य पंचायत चुनाव के सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों, जिलाध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना करते हुए इस निर्दलीय चुनाव को राज्य के हित में महत्वपूर्ण बताते हुए सभी से राज्यवासियों की बेहतरी हेतु कार्य करने का आह्वान किया है।

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष डीबी चौहान ने आज एक विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि 10 नवम्बर को सम्पन्न हुए द्विस्तरीय सिक्किम पंचायत चुनाव के नतीजों के साथ ही सभी जिलों में जिलाध्यक्षों और उपाध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। इस बार के निर्दलीय पंचायत चुनाव में विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों के लोगों ने भी खुलकर हिस्सा लिया और अपना दबदबा कायम किया है।

चौहान ने आगे कहा कि भारतीय संविधान में पंचायती राज स्थानीय स्वराज या स्थानीय सरकार के रूप में प्रतिष्ठापित है, जिसके पास अपने गांव-समाज के आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय की मजबूती के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकारों की योजनाओं को हर घर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा, इस पंचायत चुनाव में निर्दल प्रार्थी बन कर अपने गांव-समाज के विकास हेतु बड़ी संख्या में गैर-राजनीतिक हस्तियां भी आगे आईं हैं। लंबे समय से राजनीतिक रूप से सक्रिय पंचायत व्यवस्था को स्वच्छ व निष्पक्ष बनाने में इन स्वतंत्र निकायों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। ऐसे में प्रदेश की जनता को लंबे राजनीतिक भेदभाव के कारण सरकारी सुविधाओं से वंचित तबके को स्वतंत्र पंचायत व्यवस्था से उचित न्याय मिलने की उम्मीद है।

इसके साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित पंचायतों से अगले पांच वर्षों तक सिक्किम के लोगों एवं समाज की आशाओं और आकांक्षाओं को सर्वोपरि रखते हुए काम करने की कामना की है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

मुम्बई की एक गृहिणी ने ₹1 करोड़ जीते

मुम्बई, महाराष्ट्र की श्रीमती नीतु संकेत सोनी ने **30.09.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रू. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **87B 64111** है। ''जब मुझे डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतने की जानकारी हुई तो मुझे बेहद प्रसन्नता महसूस हुई। मेरी खुशियां भी असीमित एवं अनियंत्रित हैं। अपने पूरे जीवन भर में हमारे बैंक खाते में एक करोड़ की भारी-भरकम राशि देखना आसान नहीं है। लेकिन डियर लॉटरी के माध्यम से यह सम्भव हो गया है। इस आश्चर्यजनक अवसर के लिए मैं डियर लॉटरी के साथ ही नागालैंड स्टेट लॉटरीज के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करना चाहती हूं।'' विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com